www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 34.c
25.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 87.170g
चांदी 78.600 kg

2 विपक्षी गठबंधन को भी लगा झटका

कुंभ से लौटते श्रद्धालुओं का सैलाब 04

वर्ष :08 | अंक :229 | मुंबई ,सोमवार ,10 फरवरी , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

केरल में व्यक्ति ने पत्नी की चाकू गोदकर हत्या की

केरल के पलक्कड़ जिले में रविवार तड़के एक व्यक्ति ने पत्नी के साथ हुई कहासुनी के बाद उसकी कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना पलक्कड़ जिले के उप्पुमपडम इलाके में हुई। मृतका की पहचान यहां के थोलानूर के पास स्थित थोट्टाकारा निवासी चंद्रिका (52) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, चंद्रिका और उसके पति राजन (59) के बीच पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद था। पुलिस ने बताया कि संदेह है कि दंपति के बीच रविवार तड़के भी बहस हुई और राजन ने गुस्से में चंद्रिका पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि राजन ने पत्नी की हत्या के बाद खुद को भी कथित तौर पर चाकू मारकर घायल कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, घटना के समय दम्पति की बेटी भी घर में मौजूद थी। जब उसने अपनी मां की चीखें सुनीं, तो उसने कमरे का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद राजन हाथ में चाकू लेकर बाहर आया और चंद्रिका कमरे में अचेत अवस्था में पड़ी मिली। उन्होंने बताया कि चंद्रिका को हालांकि तत्काल पास के एक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

अमेठी में करीब 31 लाख रुपये की स्मैक बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

अमेठी जिले में मुसाफिरखाना थाने की पुलिस ने करीब 31 लाख रुपये की 310 ग्राम स्मैक बरामद करके एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस की एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि थाना मुसाफिरखाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के जमुवारी गांव निवासी संजय सिंह (48) को शनिवार और रविवार की दरमियानी रात गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से 310 ग्राम स्मैक बरामद हुई जिसकी अनुमानित कीमत 31 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि आरोपी जिस मोटरसाइकिल पर सवार था वह भी चोरी की थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अमेठी के अलावा सुलतानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, गोरखपुर, वाराणसी आदि ज़िलों में विभिन्न धाराओं में कुल 26 मुकदमे दर्ज हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, एनकाउंटर में 31 नक्सली ढेर, 2 जवान भी शहीद

मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों के 4 जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गए

मुठभेड़

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने कहा, 'आज बीजापुर जिले में मुठभेड़ हुई है, जिसमें 31 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। यह डीआरजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर का संयुक्त ऑपरेशन था। हमारे 2 जवान शहीद हुए हैं, मैं उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों के 4 जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो जवानों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य दो घायल जवानों की हालत खतरे से बाहर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में रविवार सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब सुरक्षाबलों का एक दल नक्सल विरोधी अभियान पर निकला था। पुलिस अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए हैं। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मियों ने भी जान गंवाई है, जिनमें से एक राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड से तथा दूसरा विशेष कार्य बल से था। दो अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ के सीएम की प्रतिक्रिया

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने कहा, 'हमारी सरकार को 13 महीने हुए हैं और 13 महीने में हमने नक्सलवाद के साथ बहुत मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी है। सुरक्षा के जवान बहुत साहस के साथ लड़े हैं। डबल इंजन की सरकार का लाभ भी हमें मिल रहा है। आज बीजापुर जिले में मुठभेड़ हुई है, जिसमें 31 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। डीआरजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर का संयुक्त ऑपरेशन था। हमारे 2 जवान शहीद हुए हैं, मैं उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

आईजी बस्तर ने क्या कहा?

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि मुठभेड़ उस समय हुई, जब सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम को पार्क के एक विशेष क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली और वे उस स्थान की ओर बढ़े। उन्होंने पुष्टि की कि मुठभेड़ में मारे गए जवान जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के थे।

2026 तक नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा, बीजापुर मुठभेड़ पर आया अमित शाह का बयान

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा। शाह ने बीजापुर मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के कारण देश के किसी भी नागरिक को

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दिया इस्तीफा

मणिपुर सरकार के मंत्री और विधायकों के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर सौंपा इस्तीफा

बीरेन सिंह के इस्तीफे के पीछे की वजह कांग्रेस द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाने की धमकी बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि सिंह के नेतृत्व से नाखुश बीजेपी विधायक अविश्वास प्रस्ताव में कांग्रेस का साथ देने वाले थे।

एजेंसी

इंफाल : मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने इंफाल के राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंपा. बीरेन सिंह थोड़ी देर पहले ही भाजपा सांसद संबित पात्रा के अलावा मणिपुर सरकार के मंत्री और विधायकों के साथ राज्यपाल से मुलाकात करने राजभवन पहुंचे थे. इस निर्णय से पहले बीरेन सिंह ने आज ही दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी. बताया जा रहा है कि थोड़े समय बाद विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें पार्टी हाईकमान से बात करने के बाद नया नेता चुना जाएगा. भाजपा नेता बीरेन सिंह ने अपने इस्तीफे में लिखा, अब तक मणिपुर के लोगों की सेवा करना सम्मान की बात रही है. मैं केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं. उन्होंने समय पर कार्रवाई की, मदद की और विकास के काम किए. साथ ही बीरेन सिंह ने लिखा कि हर मणिपुरी के हितों की रक्षा के लिए कई परियोजनाएं भी चलाईं. मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह इसी तरह काम करती रहे.२वहीं राज्यपाल ने उन्हें नई सरकार का गठन होने तक जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया है. ऐसे में एन. बीरेन सिंह मणिपुर के कार्यवाहक मुख्यमंत्री को रूप में काम करेंगे.गौरतलब है कि कल यानी 10 फरवरी 2025 से मणिपुर विधानसभा का सत्र शुरू होना था. वहीं विपक्ष मणिपुर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में था. कांग्रेस ने कहा कि एन बीरेन सिंह को दो साल पहले ही बर्खास्त किया जाना चाहिए था. इस संबंध में कांग्रेस नेता आलोक शर्मा ने कहा, देश उन्हें कभी मांफ नहीं करेगा।

किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी पर हमला

आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण पर आरोप, ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने के खिलाफ थीं

फुटेज सामने आ गए हैं। हिमांगी सखी ने कहा कि लक्ष्मी नारायण अपने साथ 50-60 लोगों को लेकर आई थीं, जिनके पास त्रिशूल, फरसा जैसे हथियार थे।

एजेंसी

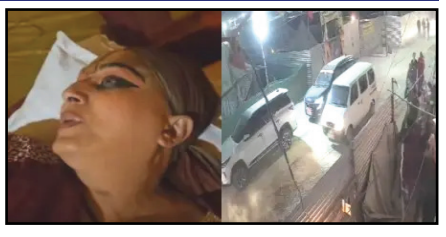

प्रयागराज , महाकुंभ में किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी पर जानलेवा हमला हुआ। हिमांगी सखी गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। उन्होंने किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी पर हमला करने का आरोप लगाया है ।हमला शनिवार रात सेक्टर- 8 स्थित कैंप में किया गया। इसके फुटेज सामने आ गए हैं। हिमांगी सखी ने कहा कि लक्ष्मी नारायण अपने साथ 50-60 लोगों को लेकर आई थीं, जिनके पास त्रिशूल, फरसा जैसे हथियार थे। बता दें कि हिमांगी सखी लगातार ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने का विरोध कर रही थीं। वहीं, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने मारपीट करने के आरोपों को गलत बताया है। हिमांगी सखी बोलीं- लक्ष्मी नारायण अपने साथ हमलावर लेकर आईं किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी ने बताया- मैं इस समय सेक्टर-8 में रह रही हूं। कल रात मैं अपने सेवादारों के साथ शिविर में थी। रात करीब 9.50 बजे किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी अपने साथ पवित्रा, कलावती मां, कौशल्या नंदगिरी उर्फ टीना मां, कलकेश्वरी, आशानाथ के साथ मेरे पास पहुंचीं।

दिल्ली चुनावों में करारी हार के बाद आतिशी ने पद से दिया इस्तीफा

उपराज्यपाल ने भंग की विधानसभा

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की करारी हार के एक दिन बाद रविवार को सीएम आतिशी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा उपराज्यपाल वीके सक्सेना को सौंप दिया। आतिशी के इस्तीफे के बाद उपराज्यपाल ने दिल्ली की सातवीं विधानसभा को भंग कर दिया। इसके लिए उन्होंने अधिसूचना जारी की। बता दें, कल आए नतीजों में 70 विधानसभा सीटों में से बीजेपी ने 48 सीटों पर जीत दर्ज की है। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप सिर्फ 22 सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस को चुनाव में एक भी सीट नहीं मिली।

“रविवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991, 1 की धारा 6 की उपधारा (2) (बी) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, 08 फरवरी, 2025 से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सातवीं विधानसभा को भंग करते हैं।

उपराज्यपाल ने दिल्ली विधानसभा भंग की

रविवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991, 1 की धारा 6 की उपधारा (2) (बी) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, 08 फरवरी, 2025 से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सातवीं विधानसभा को भंग करते हैं।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के बाद दिल्ली में होगा भाजपा सरकार का गठन

भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस सप्ताह अमेरिका की यात्रा से लौटने के बाद दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होने की संभावना है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी 27 साल बाद सत्ता में लौटी है। कल दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 48 सीटें जीती हैं। अब दिल्ली के नए सीएम और उनके मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने बंगाल के सिस्टम में सड़न को उजागर किया: धर्मेंद्र प्रधान

धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना यह साबित करती है कि राज्य का सिस्टम पूरी तरह सड़ चुका है। प्रधान ने आरोप लगाया कि गुंडों को नागरिक पुलिस जैसी सामाजिक पहलों में शामिल किया गया है।

एजेंसी

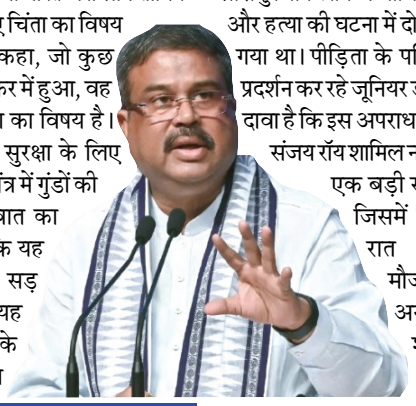

कोलकाता । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना यह साबित करती है कि राज्य का सिस्टम पूरी तरह सड़ चुका है। प्रधान ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में गुंडों को नागरिक पुलिस जैसी सामाजिक पहलों में शामिल किया गया है। उन्होंने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस तरह की घटना भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, जो कुछ आर. जी. कर में हुआ, वह गंभीर चिंता का विषय है। समाज की सुरक्षा के लिए बनाए गए तंत्र में गुंडों की भर्ती इस बात का संकेत है कि यह व्यवस्था सड़ चुकी है। यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। प्रधान का इशारा कोलकाता पुलिस के सिविक वॉलंटियर संजय रॉय की ओर था। संजय राय को नौ अगस्त 2023 को प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की घटना में दोषी ठहराया गया था। पीड़िता के परिवार और प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों का दावा है कि इस अपराध में अकेला संजय रॉय शामिल नहीं था। यह एक बड़ी साजिश थी जिसमें घटना की रात आसपास मौजूद कई अन्य लोग भी शामिल थे।

केजरीवाल आए थे तो मोदी को लाए थे, एक गए दूसरे का जाना तय

कांग्रेस के बिना बीजेपी को मात देना मुश्किल: पप्पू यादव

पप्पू यादव ने जमशेदपुर में आप की हार पर कहा कि कांग्रेस पार्टी के बिना बीजेपी को हराना मुश्किल है. बिहार की तैयारी अभी से करनी होगी.

एजेंसी

जमशेदपुर/ सरायकेला: कांग्रेस कार्यालय में बिहार पूर्णिया लोकसभा सीट के सांसद पप्पू यादव पहुंचे और पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात की. यहां पप्पू यादव ने कहा कि दिल्ली में अहंकारी केजरीवाल की हार हुई है. बिहार में जीत के लिए सीटों का बंटवारा अभी हो जाना चाहिए. कांग्रेस के सहयोग से ही भाजपा को हराया जा सकता है. जमशेदपुर दौरे पर पहुंचे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का जिला कांग्रेस कमेटी ने स्वागत किया. कांग्रेस कार्यालय मे पप्पू यादव पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक की और संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की. इसके बाद उन्होंने मीडिया से भी बात की. इस दौरान उन्होंने दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार पर भी अपनी बात रखी।

मुलाकात जेपी नडडा ने अमित शाह से मुलाकात की

दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के चयन की कवायद तेज

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी में नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर कवायद तेज हो गई है। इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इससे पहले दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ शनिवार को भाजपा मुख्यालय में विचार-विमर्श किया था। भाजपा ने चुनावों में हर क्षेत्र और अधिकतर समुदायों के बीच प्रभावशाली बढ़त हासिल की है, इसलिए उसके पास मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवारों की एक विस्तृत सूची है। विभिन्न राज्यों में अपने मुख्यमंत्रियों को चुनने में पार्टी के विकल्पों को अक्सर बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है, ऐसे में राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि दिल्ली कोई अपवाद नहीं होगा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने वाले जाट समुदाय के नेता प्रवेश वर्मा जैसे प्रमुख चेहरे और सतीश उपाध्याय, विजेंद्र गुप्ता, आशीष सूद एवं पवन शर्मा जैसे संगठन के अनुभवी नेताओं की चर्चा हो रही है, लेकिन भाजपा का इतिहास अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को आगे बढ़ाने का रहा है। भाजपा के एक नेता ने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राजनीतिक समीकरणों के आधार पर पूर्वांचल की पृष्ठभूमि वाले किसी विधायक, सिख या महिला पर भी विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि 2023 में मध्यप्रदेश और राजस्थान तथा पिछले साल ओडिशा समेत पिछले अनुभव के मद्देनजर ऐसे मामलों पर अटकलों के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है। भाजपा ने मध्यप्रदेश में मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा और ओडिशा में मोहन चरण माझी को चुना, जिससे अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक हैरान रह गए। भाजपा नेता ने कहा, आप कभी नहीं जानते...राष्ट्रीय नेतृत्व एक बिल्कुल नया चेहरा लेकर आ सकता है, जो इस पद के लिए उपयुक्त हो और लोगों की भारी उम्मीदों के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम हो। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री पर फैसला पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा।

“दिल्ली विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी में नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर कवायद तेज हो गई है। इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार रोकने के लिए कूटनीतिक कदम उठाए भारत सरकार: गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा भारत सरकार को बांग्लादेश में हिन्दुओं एवं तमाम अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर लगाम लगाने के लिए कूटनीतिक कदम उठाने चाहिए।

एजेंसी

राजस्थान । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए केंद्र को कूटनीतिक कदम उठाने चाहिए। गहलोत ने एक्स पर पोस्ट किया, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से हुई हिंसा में 23 हिन्दुओं की हत्या हो चुकी है एवं 152 मंदिरों में तोड़फोड़ की जा चुकी है। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी परिस्थिति के बावजूद भारत सरकार ने वैश्विक मंच पर अभी तक कोई भी बयान देना या बांग्लादेश पर दबाव डालना उचित नहीं समझा है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा भारत सरकार को बांग्लादेश में हिन्दुओं एवं तमाम अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर लगाम लगाने के लिए कूटनीतिक कदम उठाने चाहिए। गहलोत ने एक्स पर पोस्ट किया, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से हुई हिंसा में 23 हिन्दुओं की हत्या हो चुकी है एवं 152 मंदिरों में तोड़फोड़ की जा चुकी है।

उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी परिस्थिति के बावजूद भारत सरकार ने वैश्विक मंच पर अभी तक कोई भी बयान देना या बांग्लादेश पर दबाव डालना उचित नहीं समझा है।

सम्पादकीय

दिल्ली में भी पलट गई बाजी, केजरीवाल की चुनौतियां बढ़ना तय

आखिरकार भाजपा ने दिल्ली की सत्ता हासिल कर ली। वह 27 वर्षों से दिल्ली की सत्ता से बाहर थी। दिल्ली की सत्ता से भाजपा के बाहर होने के बाद कांग्रेस ने लगातार 15 साल शासन किया। 2013 के विधानसभा चुनावों में अन्ना आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी ने 70 में से 28 सीटें जीतकर चमत्कार सा कर दिया। आप ने जिस कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया, उसी ने उसकी सरकार बनाने में इसलिए मदद की ताकि भाजपा को सत्ता से दूर रखा जा सके। मुख्यमंत्री बने अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस से मतभेदों के चलते 49 दिन बाद त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद राष्ट्रपति शासन लगा और जब 2015 में विधानसभा चुनाव हुए तो आप ने 67 सीटें जीत कर चकित कर दिया। इसलिए और भी, क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनावों में मोदी पूर्ण बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बन चुके थे। इसी तरह 2020 में भी आप ने 62 सीटें जीतीं और वह भी तब जब 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी को प्रचंड बहुमत मिला था। इस बार विधानसभा चुनावों में आप मुश्किल में दिख रही थी, क्योंकि केजरीवाल समेत आप के बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जा चुके थे। इससे केजरीवाल की भ्रष्टाचार से लड़ने वाले नेता की छवि को धक्का लगा। मुख्यमंत्री आवास की साजसज्जा में 40 करोड़ से अधिक धन खर्च किए जाने से भी जनता को यह लगा कि केजरीवाल की कथनी-करनी में अंतर है। लगता है केजरीवाल ने अन्ना हजारे की इस नसीहत पर ध्यान नहीं दिया कि राजनीति काजल की कोठरी होती है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि जो पार्टी भ्रष्टाचार से लड़ने का दावा कर रही थी, उसी पर घपले-घोटाले का आरोप लगा। हालांकि केजरीवाल ने यह बताने की कोशिश की कि उन पर झूठा आरोप लगाकर उन्हें बदनाम किया गया, लेकिन नतीजे बता रहे कि उनकी सफाई जनता को रास नहीं आई। वह खुद भी चुनाव हार गए। समय के साथ आम आदमी पार्टी एक ऐसा दल बनी थी, जिसने दो राज्यों-पहले दिल्ली और फिर पंजाब में सरकार बनाई और राष्ट्रीय दल का दर्जा पाया। दिल्ली में हार से आप को करारा झटका लगा है, लेकिन वह अब भी एक राजनीतिक ताकत है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि आप से मुकाबले के लिए भाजपा को उसके जैसे ही तौर-तरीके अपनाने पड़े। उसे न केवल यह घोषणा करनी पड़ी कि आप सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, बल्कि कुछ नई लोकलुभावन घोषणाएं भी करनी पड़ीं। तथ्य यह भी है कि आप ने रेवड़ियां बांटने की जो राजनीति शुरू की, उसे कई अन्य दलों ने भी अपनाया। इनमें कांग्रेस भी है। दिल्ली के नतीजों ने आप के साथ ही कांग्रेस को भी झटका दिया है। कांग्रेस लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं जीत सकी।

आज का विचार

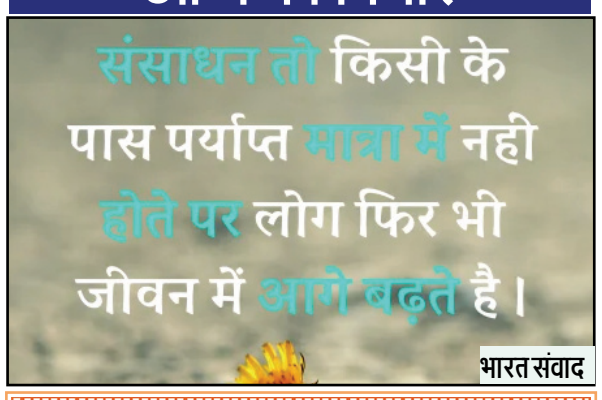

राशिफल

मेष : आज भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृष : वृष आज कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

मिथुन : आज ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

कन्या : आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

तुला : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक : आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

धनु : आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

मकर : आज शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कुंभ : आज आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

मीन : आज विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विपक्षी गठबंधन को भी लगा झटका

इस जीत में कांग्रेस का परोक्ष हवन भी शामिल है। पता नहीं इतिहास में उसे शामिल किया जाएगा या नहीं? हालांकि यह साफ है कि दिल्ली चुनाव के दौरान संविधान खतरे में है वाला कार्ड नहीं चल पाया फिर भी विपक्ष और खासकर कांग्रेस संविधान के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरने से शायद ही बाज आएक्योंकि राहुल गांधी एक बार जो ठान लेते हैंउस पर अड़े ही रहते हैं।

हर चुनाव नतीजे एक तरफ जहां भावी राजनीति के संकेत देते हैं, वहीं कुछमुद्दों पर राजनीतिक दलों के रुख पर लोक की राय भी जाहिर करते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों में भी ऐसे कई संकेत छिपे हुए हैं। इन नतीजों से स्पष्टहुआ कि संविधान की दुहाई देने वाले दलों की ओर से भाजपा पर संविधान बदलने या उसकी अनदेखी करने का दुष्प्रचार नहीं चलने वाला। इस दुष्प्रचार का एकमात्र उद्देश्य दलित-पिछड़ों को भाजपा से दूर करना है। दिल्ली का नतीजा बता रहा कि कांग्रेस इसमें कामयाब नहीं हो पाई। राजधानी में आरक्षित सीटों में से एक तिहाई सीटों पर भाजपा और करीब दो तिहाई सीटों पर आम आदमी पार्टी की सफलता में भी एक संदेश छिपा हुआ है। कांग्रेस को इस संदेश पर गौर करना होगा, क्योंकि राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस हर संभव मंच पर संविधान की प्रति लहराते हुए मोदी सरकार में संविधान को खतरे में बताते हुए खुद को संविधान की सबसे बड़ी रक्षक और पैरोकार के रूप में प्रस्तुत करती है। दिल्ली चुनाव में आरक्षित सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों को समर्थन न मिल पाना जाहिर करता है कि आंबेडकर को पूजने वाले दलित समाज में उसका यह नया नैरेटिव नहीं चल पा रहा। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों में से 12 आरक्षित हैं। इनमें से आठ पर

जहां आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार विजयी हुए, वहीं चार पर भाजपा जीती। नरेन्द्र मोदी के उभार के बाद संसद की आरक्षित सीटों में सर्वाधिक सीटों पर भाजपा को जीत मिलती रही। वहीं, अगर मुस्लिम प्रभाव वाली सीटों की बातें करें तो दिल्ली में ऐसी करीब एक दर्जन सीटें हैं। इनमें से जंगपुरा से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की भाजपा के हाथों हार से साफ है कि मुस्लिम बहुल सीटों पर अतीत की तरह आप का एकतरफा जादू नहीं चला। जंगपुरा के अलावा भाजपा मुस्तफाबाद और करावल नगर में भी जीत गई। जबकि चांदनी चौक, बाबरपुर, बल्लीमारान, मटियामहल, सीलमपुर, सीमापुरी और किराड़ी में आप के प्रत्याशी की बढ़त रही। माना जा रहा था कि कांग्रेस को मुस्लिम वोटर बड़ी संख्या में समर्थन देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लगता है कि इस बार कुछमुस्लिम मतदाता भाजपा के साथ भी गए। वैसे इसमें संदेह नहीं कि उनका बहुलांश हिस्सा आम आदमी पार्टी के साथ रहा। दिल्ली के चुनाव नतीजों में कांग्रेस के हाथ एक बार फिर शून्य ही लगा। उसे पिछली बार की तुलना में महज दो प्रतिशत से कुछज्यादा ही वोट हासिल हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 6 .48 प्रतिशत वोट मिले। इसके बावजूद कांग्रेस के आक्रामक रुख ने केजरीवाल विरोधी माहौल बनाने में बड़ी मदद की। दिल्ली कांग्रेस की नेता अलका लांबा के बयान को इस संदर्भ में देखा जा सकता है। उन्होंने केजरीवाल की हार पर कहा कि दिल्ली में उनका नुकसान हुआ है, जिन्होंने दिल्ली का नुकसान किया। चुनाव नतीजों ने केजरीवाल के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने उन्हें हराने के लिए नरेन्द्र मोदी को दूसरा जन्म लेने की चुनौती दी थी। तीन बार से देश जीत रहे मोदी के लिए दिल्ली प्रश्न प्रदेश बना हुआ था, लेकिन 2025 के वसंत में दिल्ली की जनता ने उन्हें सुगंधित विजय का उपहार दिया। इस जीत में कांग्रेस का परोक्ष हवन भी शामिल है। पता नहीं इतिहास में उसे शामिल किया जाएगा या नहीं? हालांकि यह साफ है कि दिल्ली चुनाव के दौरान संविधान खतरे में है वाला कार्ड नहीं चल पाया, फिर भी विपक्ष और खासकर कांग्रेस संविधान के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरने से शायद ही बाज आए, क्योंकि राहुल गांधी एक बार जो ठान लेते हैं, उस पर अड़े ही रहते हैं। भले ही उससे वांछित नतीजे न मिलें। अरविंद केजरीवाल ने कुछ समय पहले कहा था कि वह विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए से कांग्रेस को बाहर करने की मांग करेंगे। पता नहीं अब वह ऐसी मांग कर पाएंगे या नहीं, लेकिन इतना तय है कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार का असर गठबंधन की एकजुटता पर भी पड़ेगा, जो पहले से ही कमजोर दिख रही है। हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और शरद पवार आदि ने दिल्ली में कांग्रेस के बजाय आप का साथ देना पसंद किया था। ऐसा करके उन्होंने एक तरह से कांग्रेस को चिढ़ाने का ही काम किया था, क्योंकि सपा, तृणमूल कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) का दिल्ली में कोई जनाधार नहीं। आम आदमी पार्टी की हार के बाद असम की असम गण परिषद की याद आती है। वर्ष 1985 में परिषद भी आम आदमी पार्टी की तरह आंदोलन से उभरी थी और महज दो कार्यकाल के बाद ही वह अपने अस्तित्व को बचाने के लिए छटपटाने लगी। उसके प्रमुख नेताओं प्रफुल्ल कुमार महंत और भृगु फुकन के अहं का टकराव उसके अस्तित्व पर सवाल बनकर खड़ा हो गया, जबकि यहां अरविंद केजरीवाल का एकाधिकार आप की मुसीबत बन गया। देखना होगा कि आम आदमी पार्टी असम गण परिषद की नियति को प्राप्त होती है या फिर अपने लिए कोई नई राह तलाशती है। हैरानी नहीं कि आम आदमी पार्टी के भीतर से केजरीवाल के नेतृत्व को चुनौती मिले। यह चुनौती पंजाब में मिल सकती है। दिल्ली के मुकाबले पंजाब पूर्ण राज्य है। वहां के आम आदमी पार्टी के नेता यह कह सकते हैं कि आखिर वे ऐसे नेता के नेतृत्व के अधीन क्यों रहें, जो न अपनी सीट बचा सका और न ही सरकार।

कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां

विजय गर्ग

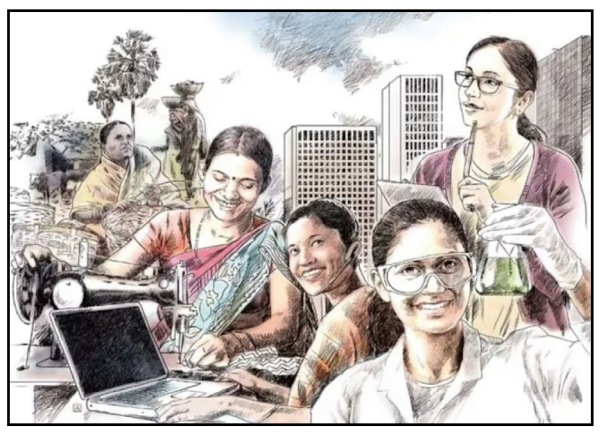

वैश्वीकरण के दौर में शुरू किए गए आर्थिक और तकनीकी परिवर्तनों के फलस्वरूप महिलाओं की तुलना में पुरुषों को आमतौर पर अपेक्षाकृत अधिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिले। इसके कारण अधिकतर महिलाओं को अनौपचारिक क्षेत्र या आकस्मिक श्रमबल में प्रवेश करना पड़ा। भारत में कुल कामगारों में से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कार्यबल का लगभग 33 फीसद हिस्सा महिलाओं का है। यह स्पष्ट है कि अनौपचारिक क्षेत्र भारत में बड़ी संख्या में महिला श्रमिकों को आजीविका प्रदान करता है। भारतीय परिवारों पर आर्थिक दबाव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। देश में जीवन निर्वाह लागत, बच्चों की शिक्षा के लिए खर्च और आवास संपत्तियों की लागत में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हर परिवार को अपनी आय बढ़ाने के 5 तरीके तलाश करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इस कारण देश में रोजगार मामले में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय की रपट के अनुसार असंगठित क्षेत्र में महिलाओं के स्वामित्व वाले प्रतिष्ठानों की संख्या वर्ष 2022-23 के 22.9 फीसद से स बढ़ कर वर्ष 23-24 में 26.2 फीसद हो गई। श्रम मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के नए सदस्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी बीते सितंबर के 26.1 फीसद से बढ़ कर अक्तूबर में 27.9 फीसद हो गई। यह वृद्धि कोई उल्लेखनीय नहीं कही जा सकती।

कामकाजी महिलाओं के संबंध में 'एनएसओ' की वर्ष 2024 में जारी रपट के अनुसार शहरों में कुल 52.1 फीसद महिलाएं और 45.7 फीसद पुरुष कामकाजी हैं। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं नौकरियों में अब भी पुरुषों से पीछे हैं, हालांकि पिछले छह वर्षों में उनकी हिस्सेदारी दोगुनी हो गई और यह 5.5 फीसद से 10.5 फीसद तक पहुंच गई। शहरी कामकाजी महिलाओं में से 52.1 फीसद नौकरीपेशा, 34.7 फीसद स्वरोजगार में तथा 13.1 फीसद अस्थायी श्रमिक हैं। 'इंडिया एट वर्क' की रपट 2024 अनुसार इस साल नौकरियों के लिए कुल सात करोड़ आवेदन आए, जिनमें 2.8 करोड़ महिलाओं के थे। यह संख्या 2023 की तुलना में 20 फीसद अधिक है। देश के रोजगार परिदृश्य में बदलाव आ रहा है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। रपट के अनुसार 2023 के मुकाबले 2024 में महिला पेशेवरों के औसत वेतन में भी 28 फीसद की वृद्धि हुई। इस सब के बावजूद संगठित क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र की तुलना में महिलाओं के कम रोजगार का मुख्य कारण कम कौशल और कम वेतन पर काम करने के लिए तैयार होने की मजबूरी है। देश में पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन में लगभग 25.4 फीसद का अंतर है। अधिकांश असंगठित क्षेत्र के व्यवसाय जैसे मिट्टी के बर्तन बनाने, कृषि, निर्माण कार्य, हथकरघा, घरेलू सेवाएं और घरेलू उद्यमों में महिलाएं कार्यरत हैं। असंगठित क्षेत्र में महिला श्रमिक आमतौर पर बहुत कम वेतन पर बीच-बीच में काम करने वाले आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं। उनको अत्यधिक शोषण का सामना करना पड़ता है, जिनमें काम की लंबी अवधि अस्वीकार्य कार्य परिस्थितियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं। भर्ती एजंसी 'टीमलीज सर्विसेज' की एक रपट के अनुसार भारत में दस में से पांच महिला कर्मचारियों ने किसी न किसी तरह के लैंगिक भेदभाव का अनुभव किया है। यह भेदभाव वेतन, कार्य के घंटे, अवकाश, अवसर और पदोन्नति के मामले में है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों वाली महिलाओं को भी भर्ती प्रक्रिया के दौरान और नौकरी की संभावनाओं के लिए प्रतिस्पर्धा करते समय नुकसान उठाना पड़ता है। कामकाजी महिलाएं हों या अपना कारोबार करने वाली, उन्हें काम पर तुलनात्मक रूप से अधिक चुनौतियों का सामना सिर्फ इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि वे महिला हैं। यह धारणा कि महिलाएं केवल विशिष्ट कार्यों के लिए ही उपयुक्त हैं। यहां तक कि बेहतर योग्यता वाली महिलाओं के समांतर समान योग्यता वाले पुरुष उम्मीदवार को वरीयता दी जाती है। भले ही कानून भर्ती और पारिश्रमिक में समानता की घोषणा करता है, लेकिन इसका हमेशा पालन नहीं किया जाता है। एक ही काम के लिए महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग वेतन मिलता है। देश में संगठित और असंगठित कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में सुधार के लिए समय-समय पर प्रयास भी किए गए हैं। इसके लिए बने कार्यबल ने अगस्त 2024 में अपनी सातवीं बैठक में इस बात पर जोर दिया कि कार्यबल में महिलाओं की सक्रिय और सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देना सामाजिक न्याय के साथ-साथ जीवंत, नवोन्मेषी और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए आवश्यक आर्थिक और रणनीतिक अनिवार्यता है। टास्क फोर्स ने देखभाल अर्थव्यवस्था को एक ऐसे क्षेत्र के रूप में पहचाना, जिसमें महिला कार्यबल भागीदारी बढ़ाने की महत्त्वपूर्ण संभावना है। टास्क फोर्स ने उद्योग संघों आग्रह किया कि वे आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जागरूकता पैदा और नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करें। महिला रोजगार की स्थिति को संतोषजनक बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी समय-समय पर प्रयास हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि हमारी प्राथमिक अवधारणा यह है कि महिलाओं के लिए समान अवसर होने चाहिए। महिलाओं को रोजगार में समान अवसर दिलाने की दृष्टि से वर्ष 2006 के अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में इस हेतु प्रस्ताव में इसकी पुष्टि भी की गई। महिलाओं के अधिकारों की स्थिति पर आयोग ने कई अहम मुद्दों पर सिफारिशें की हैं, जिनका लक्ष्य पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अधिकार के सिद्धांत को व्यवहार में लाना है देश में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के माध्यम से महिलाओं को उनके कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए प्रावधान किए गए हैं। मातृत्व लाभ (संशोधन) विधेयक, 2016 में संगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को मौजूदा 12 सप्ताह से बढ़ा कर 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश देने का प्रावधान किया गया। यह कानून दस या उससे अधिक कर्मचारियों वाले सभी व्यवसायों पर लागू है।

अशिक्षा की जड़ों के नेपथ्य में अंध विस्वास की परतें।

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त या अनुयाई हो गया है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90% शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है॥ यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात है॥ यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता है॥ उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है, पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक है॥ शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिए॥ बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है, किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है।

केजरीवाल की हार से अन्ना हजारे खुश, लेकिन मोदी सरकार पर आरोपों पर खामोश : राउत

● भाजपा ने 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर दिल्ली में आम आदमी पार्टी का शासन समाप्त कर दिया। हारने वालों में प्रमुख नाम नयी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से केजरीवाल का था।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की हार से खुश हैं। राउत ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ पिछले कुछ सालों में लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर हजारे की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, जब मोदी के शासन में भ्रष्टाचार हुआ, तब हजारे कहां थे? केजरीवाल की हार पर हजारे खुश हैं। देश को लूटा जा रहा है और धन एक ही उद्योगपति के हाथों में जा रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र कैसे बरकरार रह सकता है? ऐसे समय में हजारे की चुप्पी के पीछे क्या रहस्य हो सकता है। शिवसेना (उबाठा) के राज्यसभा सदस्य राउत ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र और दिल्ली में मतदाता सूची में गड़बड़ी के बारे में एक समान पैटर्न था। हालांकि, हजारे ने ऐसे मुद्दों पर चुप रहने का विकल्प चुना। हरियाणा में भी ऐसी ही शिकायतें की गईं। ये बिहार चुनावों में भी सामने आएंगी।उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से चुनावों में संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया है। राउत ने दावा किया, जीत जोड़-तोड़ और धनबल के जरिए हासिल की जा रही है।भाजपा ने 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर दिल्ली में आम आदमी पार्टी का शासन समाप्त कर दिया।

थोड़े दिन में सामने आ जाएगा... उद्धव ठाकरे के एकनाथ शिंदे को चैलेंज देने पर बोले मंत्री उदय सामंत

महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने दिया बड़ा बयान

☛ महाराष्ट्र कैबिनेट के मंत्री एवं शिवसेना नेता उदय सामंत ने शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे के सांसदों को तोड़ने के चैलेंज पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आगे आने वाला समय ही बताएगा कि क्या हो सकता है। ठाकरे ने शिंदे को चैलेंज किया था। कहा था कि वे पार्टी तोड़कर दिखाएं।

● बोले-कुछही दिनों में सब सामने आया जाएगा

● ठाकरे के चैलेंज करने पर बोले मंत्री उदय सामंत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों के टूटने का दावा करने वाले उदय सामंत ने प्रतिक्रिया दी है। सामंत ने नागपुर में कहा कि आगे आने वाला समय ही बताएगा कि क्या हो सकता है? सामंत ने इससे पहले दावा किया था कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद साथ छोड़ेंगे। इसके बाद उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने सांसदों की एकता का प्रदर्शन करके करारा जवाब दिया था। इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने सांसद तोड़ने को लेकर चैलेंज भी दिया था।थोड़े दिन में सबसे सामने आ जाएगाउद्धव ठाकरे के एकनाथ शिंदे को शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों को तोड़ने का चैलेंज देने पर उदय सामंत ने कहा कि उन्होंने चैलेंज देकर जो आह्वान किया है, उस पर हमें प्रतिक्रिया करने की कोई जरूरत नहीं है। सांसदों और विधायकों के मन में क्या चल रहा है, इसका कोई भी पता नहीं लगा सकता। वो कहां और किस पार्टी में जाना चाहें, ये उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। अगर किसी परेशानी की वजह से वो रुके हुए हैं, तो थोड़े दिन बाद ये सामने आ जाएगा। आगे आने वाला समय ही बताएगा कि क्या होने वाला है। महाराष्ट्र के लंबे समय से उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना के टूटने की अटकलें लगाई जा रही है। सांसदों के अलग होने पर शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सांवत ने भी बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि शिवसेना के नेता अफवाह फैला रहे हैं।बाकी राज्यों में भी एनडीए सरकारशिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के दिल्ली चुनाव पर की जा रही टिप्पणी को लेकर उदय सामंत ने कहा कि महाराष्ट्र और दिल्ली हो गया। अब बचे हुए राज्यों में भी एनडीए आने वाला है।

फास्ट ट्रैक

भारत एक से चार मई तक मुंबई में पहले वेव्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा: अश्विनी वैष्णव

वैष्णव ने कहा, यह शिखर सम्मेलन दुनिया के शीर्ष मीडिया सीईओ, मनोरंजन जगत की बड़ी हस्तियों और दुनिया भर की रचनात्मक प्रतिभाओं को एक साथ लाएगा, जो मनोरंजन, रचनात्मकता और संस्कृति को जोड़ेगा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,भारत एक से चार मई तक मुंबई में पहले विश्व दृश्य-श्रव्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) की मेजबानी करेगा, जिसमें मीडिया संस्थानों के सीईओ और विश्व भर के मनोरंजन जगत की हस्तियां शामिल होंगी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शिखर सम्मेलन के लिए सलाहकार बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करने के एक दिन बाद, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट में वेव्स की तारीखों की घोषणा की।वैष्णव ने कहा, यह शिखर सम्मेलन दुनिया के शीर्ष मीडिया सीईओ, मनोरंजन जगत की बड़ी हस्तियों और दुनिया भर की रचनात्मक प्रतिभाओं को एक साथ लाएगा, जो मनोरंजन, रचनात्मकता और संस्कृति को जोड़ेगा।उन्होंने कहा, भारत दुनिया की रचनात्मक महाशक्ति बनने की नींव रख रहा है। मोदी ने विश्व दृश्य-श्रव्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) के संबंध में अमिताभ बच्चन और मुकेश अंबानी सहित विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों से बातचीत की।बातचीत में सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, चिरंजीवी, मोहनलाल, रजनीकांत, आमिर खान, ए आर रहमान, अक्षय कुमार, रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, मुकेश अंबानी और आनंद महिंद्रा शामिल हुए। आर्थिक क्षेत्र के लिए दावोस में होने वाले आयोजन की तर्ज पर, सरकार वेव्स सम्मेलन को मनोरंजन क्षेत्र के भारत के वैश्विक आयोजन के रूप में पेश कर रही है।

लड़के के हाथों नहीं सुरक्षित रहेगी हमारी बेटी... महाराष्ट्र में खराब सिबिल स्कोर पर टूट गई शादी

● महाराष्ट्र में अनूठे कारण से टूट गई एक शादी

● लड़के के खराब सिबिल ने बिगाड़ दिया खेल

● लड़की पक्ष ने आखिरी में कर दिया इनकार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नागपुर/अकोलाः महाराष्ट्र में शादी टूटने का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। अकोला जिले में आने वाले मुर्तिजापुर में एक शादी इसीलिए टूट गई क्योंकि लड़के का CIBIL स्कोर यानी क्रेडिट कार्ड का स्कोर कम था। शादी तय होने के बाद CIBIL स्कोर से रिश्ता टूटने के बाद यह मामला चर्चा में आ गया गया है, जबकि दोनों परिवार के लोगों के साथ लड़का और लड़की एक दूसरे को पसंद कर चुके थे, लेकिन कम उकइकछस्कोर विलेन बन गया।

लड़की पक्ष ने मांगी रिपोर्ट

जानकारी के अनुसार दोनों परिवारों में शादी की तैयारियां चल रही थीं। लड़के और लड़की ने काफी सपने संजो लिए थे। जैसे ही शादी के रजामंदी के बाद एक अहम रस्म होनी थी। उससे पहले लड़की के मामा ने लड़के यानी होने वाले दामाद से सिबिल स्कोर दिखाने की मांग रख दी। इस मांग से पूरे मामले में एक नया ट्विस्ट आ गया। जब दूल्हे का सिबिल स्कोर चेक किया गया तो सभी हैरान रह गए। रिपोर्ट में सामने आया कि लड़के ने कई बैंकों से कर्ज लिया था और उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी।

और फिर टूट गई शादी

सिबिल रिपोर्ट खराब देखते ही लड़की के मामा और परिवार ने शादी से इनकार कर दिया। लड़की के मामा ने दलील दी कि अगर लड़का पहले से ही कर्ज में डूबा है, तो हमारी बेटी का भविष्य कैसे असुरक्षित रहेगा। दोनों परिवारों ने इस रिश्ते के दूसरी तमाम औपचारिकताओं को पूरा कर लिया था, लेकिन लड़की के मामा की मांग ने रंग में भंग में डाल दिया। ऐन मौके पर तैयारियां धरी रह गई और फिर शादी टूट गई।

बीजेपी को जनता का नहीं, चुनाव आयोग का करना चाहिए धन्यवाद :आदित्य ठाकर

● दिल्ली विधानसभा चुनाव में विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए आदित्य ठाकरे ने भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेरफेर हुआ है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : दिल्ली विधानसभा चुनाव में विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि दिल्ली चुनाव में वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेरफेर हुआ है, इससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। जिसे जनता के सामने आना चाहिए।

वोटर लिस्ट में अनियमितताओं का दावा

आदित्य ठाकरे ने दिल्ली चुनाव के परिणाम के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दिल्ली चुनाव में जीतने वालों को मैं बधाई देता हूं। लेकिन कल दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें राहुल गांधी, संजय राऊत और सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र से जुड़े कई गंभीर सवाल उठाए थे। ये सवाल सिर्फ उनका नहीं, बल्कि हमारे भी मन में हैं। इन नेताओं ने महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में कथित रूप से हुई धांधली और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए थे। इन नेताओं ने वोटर लिस्ट में अनियमितताओं और नए मतदाताओं के जोड़े जाने के आंकड़ों पर भी चर्चा की थी, जो गंभीर मुद्दा है।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कई बार प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर सवाल उठाए थे। वोटर लिस्ट से कहीं मतदाता गायब कर दिए गए, तो कहीं अनियमित रूप से नए नाम जोड़े गए। ये सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए। सबसे बड़ी बात यह है कि चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले बीजेपी को जनता का नहीं, बल्कि चुनाव आयोग का धन्यवाद करना चाहिए।

देवेंद्र फडणवीस ने जताई खुशी

वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर जनता और पार्टी कार्यकताओं का आभार जताया है। उन्होंने पुणे में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार चुनने के लिए दिल्ली की जनता को मैं बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों पर दिल्ली की जनता ने भरोसा जताया है। दिल्ली की मतदाताओं ने अरविंद केजरीवाल की झूठ की राजनीति को नकार दिया है।भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ चले आंदोलन में केजरीवाल ने अन्ना हजारे का हाथ थामा और अब वह भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं।

नागपुर से पुणे 3 और 10 घंटे में पहुंच जाएंगे मुंबई, महाराष्ट्र को वंदे भारत स्लीपर की सौगात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : नागपुर से मुंबई और पुणे जाने वाले रेल यात्रियों की संख्या में पिछले कुछ सालों में काफी बढ़ोतरी हुई है। नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस अक्सर पूरी तरह भरी रहती है। हवाई जहाज का किराया भी आसमान छू रहा है। ऐसे में इन रूट्स पर वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की मांग जोर पकड़ रही है। नागपुर को पुणे और मुंबई से जोड़ने वाली सेमी-हाई-स्पीड सुपरफास्ट ट्रेन सेवा वंदे भारत स्लीपर शुरू हो सकती है। यह ट्रेन महाराष्ट्र रेल यात्रा में एक बड़ा बदलाव लाएगी। मध्य रेलवे के नागपुर बोर्ड ने रेलवे बोर्ड को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। प्रस्ताव का वर्तमान में मूल्यांकन किया जा रहा है और इसका उद्देश्य यात्रियों की सुविधा को बढ़ाना और इन उच्च मांग वाले मार्गों पर कनेक्टिविटी में सुधार करना है।वर्तमान में, नागपुर से मुंबई की यात्रा में मेल ट्रेनों से लगभग 16 घंटे लगते हैं, जबकि सुपरफास्ट ट्रेनें 12 से 13 घंटे में यात्रा पूरी करती हैं। दुरंतो एक्सप्रेस थोड़ा तेज विकल्प प्रदान करती है, जो 11 से 12 घंटे में दूरी तय करती है। हालांकि, वंदे भारत स्लीपर की शुरूआत से नागपुर-मुंबई यात्रा के समय को 10 घंटे किया जा सकता है।वंदे भारत से नागपुर-पुणे यात्रा का समय घटकर महज तीन घंटे हो जाएगा। अभी, नागपुर-पुणे मार्ग पर सुपरफास्ट एक्सप्रेस और गरीब रथ एक्सप्रेस चलती है, दोनों सप्ताह में तीन बार चलती हैं। हमसफर एक्सप्रेस सप्ताह में एक बार चलती है। इसके अतिरिक्त, आजाद हिंद एक्सप्रेस और हटिया-पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस वैकल्पिक यात्रा विकल्प प्रदान करती हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल और ग्रांट रोड स्टेशनों के बीच पुल संख्या 5 की रीगर्डरिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

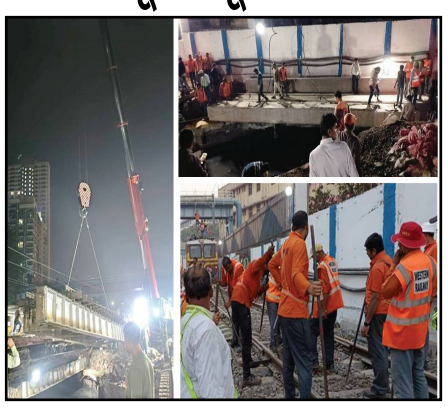

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल और ग्रांट रोड स्टेशनों के बीच 8/9 फरवरी, 2025 की मध्यरात्रि को पुल संख्या 5 के मौजूदा स्टील गर्डरों को पीएससी स्लैब से बदलने के लिए एक मेजर ब्लॉक लिया गया।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उक्त पुल 49 डिग्री झुकाव वाला और 12 मीटर फैलाव वाला एक सकिव पुल है। मौजूदा स्टील गर्डर को 11,565 मिमी की कुल लंबाई और 650 मिमी की गहराई वाले विशेष रूप से डिजाइन किए गए नॉन-स्टैंडर्ड पीएससी स्लैब से बदला गया। ब्लॉक अवधि के दौरान बैलास्ट रिटेनर के साथ कुल 10 स्लैब लॉन्च किए गए।जगह की कमी को देखते हुए, रीगर्डरिंग कार्य के लिए क्रेन को फास्ट लाइनों पर रखना पड़ा, जिससे तीन रेलवे ट्रैक के ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) को हटाना पड़ा। इस कार्य के लिए लगभग 13 घंटे का सावधानीपूर्वक नियोजित ब्लॉक की आवश्यकता थी, लेकिन कुशल निष्पादन और समर्पित प्रयासों के कारण यह कार्य 10 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक पूरा हो गया। यात्रियों के लिए बेहतर और निरंतर सुरक्षित ट्रेन यात्रा अनुभव प्रदान करने में इस कार्य की सफलता एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

सरकारी स्कूल के बच्चों को शिक्षण सामग्री व महिलाओं कंबल वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,अमूव फाउंडेशन मुंबई द्वारा ठाणे के शहापुर तालुका से 45 कि.मी. दूर आदिवासी गाँव चोंडे खुर्द के जिला परिषद शाला के विद्यार्थियों को अध्यक्ष ओमप्रकाश मुरारका के मार्गदर्शन में आवश्यक शिक्षण सामग्री तथा उस गाँव के ग्रामीण महिलाओं को कंबल वितरित किया इस अवसर पर समाजसेवी श्रीमती चंद्रकला मुरारका, मधु अनिल कनोई, डॉ दीपाली पंकज मखारिया, कु. प्रसिद्धि मखारिया उपस्थित रही अमूव फाउंडेशन हर तीसरे माह ऐसे उपक्रम आदिवासी क्षेत्रों में आयोजित कर आदिवासियों को सहयोग प्रदान करता है यह कार्यक्रम पिछले 9 वर्षों से जारी है

मलबा डंप करने व एकल-उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , मनपा सर्कल 2 की मलबा निरोधक टीम ने आज लगातार दूसरे दिन छापेमारी की और घनसोली में खुले उपेक्षित स्थानों पर मलबा डंप करने वाले वाहनों को जब्त कर लिया। वाहन मालिक से 15 हजार का जुर्माना वसूला है। मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देश उक्त कार्रवाई की जा रही है। सर्किल 2 उपायुक्त डॉ कैलास गायकवाड़ के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई है और मलबा विरोधी अभियान तेज कर दिया गया है।इसी प्रकार जब सर्कल 2 की प्लास्टिक रोकथाम टीम ने कोपर खैरणे सेक्टर 6 क्षेत्र में वाणिज्यिक दुकानों का निरीक्षण किया, तो कन्नन इडली को प्लास्टिक की थैलियों से भरा हुआ पाया गया, और उक्त 1 किग्रा. प्लास्टिक थैलियों का स्टॉक जब्त कर लिया गया और उससे 5 हजार दंड राशि वसूल की गई।नवी मुंबई मनपा की ओर से स्वच्छता का संदेश फैलाने के साथ-साथ शहर की स्वच्छता में बाधा डालने वाले कारकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और प्लास्टिक रोकथाम गतिविधियों पर भी जोर दिया जा रहा है।

पूर्व महापौर आर आर सिंह की पुण्यतिथि पर मुफ्त आरोग्य शिविर का लोगों ने लिया लाभ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,आर आर एजुकेशनल ट्रस्ट एवं मुलुंड सिटीजन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मुंबई के पूर्व महापौर आर. आर. सिंह की पुण्यतिथि पर मुफ्त मेगा आरोग्य चेकअप एवं शस्त्र क्रिया शिविर का आयोजन वेदांत सेंट्रल हॉस्पिटल, घाटकोपर के सहयोग से किया गया।

आर आर सभागृह, आर. आर. एजुकेशनल ट्रस्ट मार्ग, म्हाडा,मुलुंड (पूर्व) में आयोजित शिविर का उद्घाटन मिहिर कोटेचा (विधायक)एवं बिपिन कुमार सिंह (मा. डी जी पी, महाराष्ट्र), डॉ. आर. आर. सिंह, डॉ. बाबूलाल सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं स्व. आर. आर. सिंह की प्रतिमा पर पुष्पमाला, पुष्प पंखुड़ियाँ अर्पित कर किया गया इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में जे एस अभयंकर (शिक्षक एम एल सी),मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष बी के तिवारी, गोविन्द सिंह, राकेश शेट्टी (प्रवक्ता महाराष्ट्र कांग्रेस), हर्षवर्धन सिंह (डायरेक्टर वेदांत हॉस्पिटल),प्रसन्ना ताथरे, रोटरी क्लब ऑफ होरा होरायजन एंड हिल्स के अध्यक्ष हर्षद दिवाकर, राधिका पद्मनाभन उपस्थित रहकर स्व आर आर सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि प्रदान की

इस शिविर में वेदांत हॉस्पिटल घाटकोपर के डॉक्टर्स की टीम द्वारा 840 मरीजों का ब्लड टेस्ट, बी. पी., हृदय रोग, अस्थमा, नेत्र जाँच, दंत चिकित्सा जाँच कर औषधियां वितरित की गयी लायन योगेश ठक्कर द्वारा फिजियोथेरेपी की गई शिविर में जाँच कर शरीर के किसी भी अंग में हुये रोग का मुफ्त ऑपरेशन (शस्त्र क्रिया) वेदांत सेंट्रल हॉस्पिटल, घाटकोपर पर किया जायेगा

रक्तदान शिविर रोटरी क्लब ऑफ होरा हॉरायजन एंड हिल्स, ठाणे के सहयोग से संपन्न हुआ जिसमें 25 लोगों ने रक्तदान किया। आयोजक डॉ आर आर सिंह, मोहनलाल राज, जगदीश सिंह, महेंद्र सिंह द्वारा सभी अतिथियों का शाल पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सत्कार किया गया

नहीं चाहता था तलाक हो, कोर्ट परिसर में पत्नी को आई लव यू कहा और खा लिया जहर

पुणे के शिवाजीनगर अदालत परिसर में एक व्यक्ति ने कोर्ट में तलाक के मामले की सुनवाई के दौरान अपनी पत्नी के सामने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सेकंड सैटरडे को हुई जब कोर्ट में छुट्टी थी। मृतक प्रतिष्ठान निवासी था और अपनी पत्नी से तलाक नहीं चाहता था।

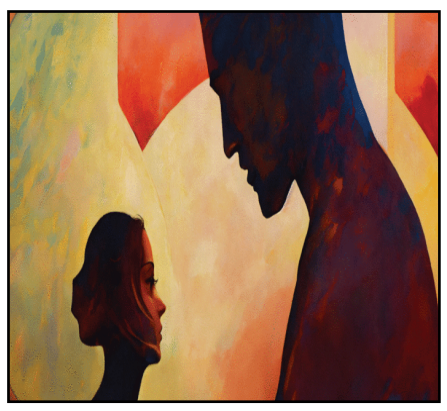

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई / पुणे : महाराष्ट्र के पुणे में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां दोपहर शिवाजीनगर अदालत परिसर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के सामने आत्महत्या कर ली। उसका पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। पत्नी ने कोर्ट में उसके खिलाफ केस किया था। पति कोर्ट में सुनवाई पर आया और यहां पत्नी से उसकी बहस हुई। उसने वहीं जहर खा लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान पशान निवासी सोहेल येनिघुरे (28) के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि सोहेल का उनकी पत्नी के साथ झगड़े होते थे। बीते दिनों उसकी पत्नी मायके चली गई और पति के खिलाफ केस कर दिया।

पत्नी से तलाक नहीं चाहता था सोहेल

सोहेल और उसकी पत्नी के बीच तलाक का केस चल रहा था। पुलिस ने बताया कि सोहेल पत्नी को तलाक नहीं देना चाहता था जबकि वह उसके साथ रहने को तैयार नहीं थी। दोनों के बीच काउंसलिंग के प्रयास किए गए लेकिन असफल रहे।काउंसलिंग के लिए बुलाया गया थाफैमिली कोर्ट में बने काउंसलिंग सेंटर में दोनों को बुलाया गया था। यहां उनके बीच फिर से बहस हुई। इस दौरान सोहेल ने वहीं पत्नी के सामने ही जहर खा लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोहेल के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि सेकंड सैटरडे होने के चलते अदालत में छुट्टी थी इसलिए वहां ज्यादा लोग नहीं थे। वहां मौजूद लोगों ने कहा कि सोहेल ने मरने से पहले पत्नी को आई लव यू भी कहा। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर सावंत ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

पिटबुल ने दो पर किया जानलेवा हमला

एक बच्चा और युवक गंभीर घायल, दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बड़ौत, पिटबुल कुत्ते के दो अलग-अलग हमलों में एक 12 वर्षीय बच्चा और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना कोताना में हुई, जहां शादी समारोह में गए बागपत निवासी प्रवीण पर पिटबुल ने हमला कर दिया। खाना खाते समय हुए इस हमले में प्रवीण के पैर में गंभीर चोटें आईं। दूसरी घटना बागपत के कोर्ट रोड की गली नंबर छह में हुई, जहां नरेंद्र का 12 वर्षीय बेटा यश गली में खेल रहा था। पड़ोसी का पिटबुल अचानक घर से निकला और बच्चे पर हमला कर दिया। दोनों घायलों को पहले बागपत के सीएचसी और फिर जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने बताया कि पिटबुल के हमले से हुई गंभीर चोटों के इलाज की सुविधा यहां उपलब्ध नहीं है, इसलिए दोनों को दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घायल बच्चे के पिता नरेंद्र ने कुत्ते की मालकिन के खिलाफ कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच करके आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर पिटबुल पालने के खतरों को सामने ला दिया है।

धर्मवीर आनंद दिघे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का परिवहन मंत्री ने किया भूमिपूजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,ठाणे मनपा की ओर से बोरिवडे मैदान, कासारवडवली में आरक्षण और सुविधा भूखंडों के विकास कार्यक्रम के तहत बनाए जा रहे धर्मवीर आनंद दिघे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भूमि पूजन आज परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने किया। घोड़बंदर रोड प्रभाग क्रमांक 1 में आरक्षण एवं सुविधा भूखण्डों के विकास हेतु मनपा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की विकास' योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 75 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे बोरिवेडे मैदान को विकसित कर धर्मवीर आनंद दिघे खेल परिसर का निर्माण किया जा रहा है।इस खेल परिसर से इस क्षेत्र के सभी नागरिकों को लाभ होगा। इसलिए, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण परियोजना होगी। पूर्व नगर सेविका साधना जोशी, पूर्व नगर सेवक पूर्वेश सरनाईक, कार्यकारी अभियंता संजय कदम, उप अभियंता बी वी गव्हाणे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक शामिल हुए।बोरिवेडे मैदान आरक्षित भूखंड का क्षेत्रफल 84974 वर्ग मीटर है जिसमें से 6819 वर्ग मीटर क्षेत्र पर जिमखाना का निर्माण किया जाएगा। इस जिमखाना में विभिन्न प्रकार के खेलों की सुविधाएं होंगी। इसमें बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट प्रैक्टिस नेट, कुश्ती, कैंटीन आदि सुविधाएं होंगी। तो, मल्लखंब, कबड्डी, लाल मिट्टी कुश्ती, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, स्केटिंग ट्रैक जैसे आउटडोर खेल भी शामिल हैं। साथ ही, इस परियोजना में जमीन का पूर्ण समतलीकरण, सुरक्षात्मक दीवार और आकर्षक प्रवेश द्वार भी शामिल है।

एसटी कर्मचारी यात्री सेवा ही ईश्वर सेवा की अवधारणा के साथ कार्य करें : एकनाथ शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , एसटी के पुनरुद्धार के लिए एसटी कर्मचारी यात्री सेवा ईश्वर की सेवा है इस तरह काम को समझना चाहिए।हमारी सरकार उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखने में सक्षम है। यह बयान राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिया।वह खोपट बस स्टैंड पर पुनर्निर्मित वातानुकूलित चालक-वाहक कक्ष के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर वित्त एवं योजना राज्य मंत्री आशीष जयसवाल के साथ एस टी निगम के प्रभारी उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विवेक भीमनराव उपस्थित थे।इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि एसटी का चेहरा बदलना और फाइव स्टार परिवहन सेवाएं बनाना हमारी सरकार का मुख्य लक्ष्य है और एसटी निगम को यात्रियों को हवाई अड्डे जैसे बसपोर्ट प्रदान करने के लिए निजी-सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से अभिनव गतिविधियों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पिछले साल, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के माध्यम से, हमने एसटी के 191 बस स्टैंड क्षेत्र को कंक्रीटिंग का काम लिया है। इस समय, उन्होंने एसटी प्रशासन को प्रत्येक डिपो में वातानुकूलित, स्वच्छ और ठंडे विश्राम कक्ष बनाने का निर्देश दिया ताकि एसटी के ड्राइवर अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद तनाव मुक्त नींद ले सकें। उन्होंने खोपट बस स्टैंड पर पुनर्निर्मित विश्राम गृह पर संतोष व्यक्त करते हुए इस "रोल मॉडल" को पूरे प्रदेश में लागू करने के निर्देश भी दिये।इस अवसर पर बोलते हुए, राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि एसटी कर्मचारियों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राज्य भर में सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजना के तहत डिपो में 100 बिस्तरों वाला कैशलेस अस्पताल बनाने का संकल्प है। हम आज इस योजना की शुरूआत कर रहे हैं। भविष्य में एसटी कर्मचारियों को सरकार की महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के साथ-साथ विभिन्न चिकित्सा सेवा सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी और इसका लाभ क्षेत्र के यात्रियों और आम जनता को भी दिया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में एसटी कर्मचारी एवं यात्री उपस्थित थे।

फास्ट ट्रैक

अंबरनाथ में शिवसैनिकों ने उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया

अब्दुल भाई शेख ने आनंद आश्रम जाकर उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना प्रमुख और वर्तमान उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।स्थानीय विधायक डॉ.बालाजी किणीकर, पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल भाई शेख, पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके आदि ने अंबरनाथ पूर्व के शिवाजी चौक स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए दैनिक कामगारों और आम जनता में मिष्ठान वितरण कर अपने नेता उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया।अंबरनाथ नगरपालिका के पूर्व उप-नगराध्यक्ष और शिवसेना के वरिष्ठ नेता अब्दुल भाई शेख ने पार्टी प्रमुख और उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से ठाणे के टेम्बी नाका स्थित आनंद आश्रम जाकर उनसे मुलाकात की और पुष्पगुच्छ देकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और भविष्य के लिए मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया। शिवाजी चौक परिसर में इस अवसर पर रवींद्र करंजुले, नंदकुमार भागवत, रविन्द्र पाटिल, महिला नेता मालती पवार, सुवर्णा सालुंके, सोनिया महात्रे, आबा महाजन, शिवाजी सालुंके, संतोष जंगम, बाला शिंदे, हेमंत जाधव, चंद्रकांत मोटे, इजहार काजी (रम्मो) आदि शिवसैनिक उपस्थित थे।

जी एम मोमिन वीमेंस कालेज के छात्रों ने विभिन्न मुकाबलों में जीते कुल 6 पुरस्कार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , एहतेसाब फाउंडेशन और भिवंडी पूर्व के विधायक रईस कासम शेख द्वारा आयोजित दूसरे जश्ने तालीम के अवसर पर भिवंडी के अंसारी मैरेज ग्राउंड में विभिन्न शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल कैंपस में जारी वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र जीएम मोमिन वीमेंस कालेज के बीए द्वितीय वर्ष के छात्र खान मुहम्मद माविया मुहम्मद जफर और बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा खान तहूरा मुहम्मद जफर ने मुहम्मद गजनफर सर के मार्गदर्शन में अव्वल इनाम हासिल किया। सोशल मीडिया शीर्षक के तहत डिग्री कॉलेज के छात्रों के बीच एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा खान सौदह रईस और शेख आलिया मुहम्मद तहजीब ने साजिद अनवर सर के मार्गदर्शन में भाग लिया और प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। सुलेख प्रतियोगिता में अजीम गरकाब और सूफिया मोमिन के मार्गदर्शन में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा खान अक्सा असरार ने अंग्रेजी सुलेख में प्रथम पुरस्कार, तृतीय वर्ष की छात्रा शेख तूबा हाफिज सोहराब ने उर्दू सुलेख में द्वितीय पुरस्कार और अंसारी आमिना ने तृतीय पुरस्कार जीता। इसी तरह सूफिया मोमिन और मुहम्मद रफी अंसारी के मार्गदर्शन में एम. ए. प्रथम वर्ष की छात्रा अंसारी निदा शकील अहमद, बीए द्वितीय वर्ष के छात्र खान माविया जफर और बी ए तृतीय वर्ष के छात्र हैदर अब्बास हुसैन रजा ने अंताक्षरी प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रतियोगिता का दूसरा पुरस्कार जीता। सभी सफल छात्रों को विधायक रईस शेख के हाथों जश्ने तालीम के मंच पर पुरस्कृत किया गया। बता दें कि वाईसीएमओयू के जी एम मोमिन वीमेंस कालेज स्टडी सेंटर भिवंडी के छात्रों ने बड़े ही जोश खरोश से मुकाबले में भाग लिया और कुल छह पुरस्कार जीतकर अध्ययन केंद्र का नाम रौशन किया। छात्रों की इस उल्लेखनीय सफलता पर केएमई सोसाइटी प्रबंध समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों, प्राचार्य जियाउर रहमान अंसारी, अध्ययन केंद्र प्रभारी सफा आगा, समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी और स्टॉफ के सभी सदस्यों ने खुशी व्यक्त करते हुए मुबारकबाद दी है।

अंबरनाथ पूर्व के हरिओम पार्क में जगदंब मित्र मंडल ने हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया

पूर्व नगराध्यक्ष मनीषा वालेकर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहीं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के लोकमान्य तिलक नगर के जगदंब मित्र मंडल के सौजन्य से हरिओम पार्क में अंबरनाथ नगरपालिका परिषद के पूर्व नगराध्यक्ष और शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर के जन्मदिन के उपलक्ष में शनिवार 8 फरवरी को सायंकाल हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक जगदंब मित्र मंडल के अध्यक्ष उमेश रामबहाल यादव, सारिका रामबहाल यादव और समाजसेविका आरती उमेश यादव थी।हल्दी कुमकुम कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में अंबरनाथ नपा की पूर्व नगराध्यक्ष मनीषा अरविंद वालेकर, साधना राजेंद्र वालेकर, शिवसेना शहर संगठक नीता परदेशी, महिला विभाग संघटक जयश्री गुप्ता, युवती देना विभाग संघटक स्नेहल कांबले थे। अरविंद वालेकर के जन्मदिन के उपलक्ष में आयोजित हल्दी कुमकुम समारोह महिलाओं के बीच आपसी सौहार्द, सामाजिक एकता, महिला सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक महाराष्ट्र का लोकप्रिय पारंपरिक समारोह है जिसमें महिलाएं आपस में एकत्र होकर एक दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर एक दूसरे को आशीर्वाद देती है। इस अवसर पर खेल पैठणीचा और होम मिनिस्टर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस खेल कार्यक्रम में 10 विजेता महिलाओं को आकर्षक पुरस्कार दिए गए और 15 लकी ड्रॉ प्राप्त महिलाओं को भी आकर्षक उपहार दिए गए। उक्त कार्यक्रम में अश्विनी वाडकर, निगम्मा वाडेकर, अर्चना कांबले, सोनाक्षी सिंह, निर्समा वाडेकर आदि महिलाओं की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के आयोजकों ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया

तिलहर में मजदूर की मौत के बाद ग्रामीणों का प्रदर्शन

परिजनों ने फैक्ट्री मालिक पर की कार्रवाई की मांग, पत्नी बोली- मालिक के पास 6 महीने वेतन बाकी

तिलहर, शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा में गद्दा फैक्ट्री में कार्यरत मजदूर श्याम सिंह की बलरामपुर में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर थाने पर प्रदर्शन किया। घटना 7 फरवरी की है, जब फैक्ट्री मालिक चांद बाबू, इरशाद और सोनू श्याम सिंह को काम के लिए घर से बुला ले गए। अगले दिन परिवार को सूचना मिली कि बलरामपुर के गैसड़ी क्षेत्र में उनकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई। मृतक की पत्नी कन्यावती ने बताया कि उनके पति 15,000 रुपए मासिक वेतन पर काम करते थे और फैक्ट्री मालिक पर 6 महीने का वेतन, करीब 90,000 रुपए बकाया था। परिजनों ने मृतक के शव को थाने पर रखकर फैक्ट्री मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और अंत्येष्टि से इनकार कर दिया। उन्होंने थाना प्रभारी जुगल किशोर पाल को चेतावनी दी कि जब तक फैक्ट्री मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होगी, शव की अंत्येष्टि नहीं की जाएगी।

उल्हासनगर क्राइम ब्रांच द्वारा चलाए जा रहे बांग्लादेशी नागरिको की धरपकड़ अभियान में एक और बांग्लादेशी गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की धरपकड़ निरंतर जारी है। उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की टीम ने एक बार फिर बड़ी कार्यवाही करते हुए शहर में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है।उक्त बांग्लादेशी व्यक्ति विगत दो वर्षों से बिना किसी वैध दस्तावेज के उल्हासनगर में रह रहा था और स्थानीय स्तर पर बेगारी का काम कर रहा था।

क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि कृष्णा नगर, आशेले गांव, उल्हासनगर क्रमांक 4 में एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध रूप से रह रहा है। प्राप्त सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के मार्गदर्शन में पीएसआई प्रवीण खोचरे, पीएसआई सचिन कुंभार, हेड कॉन्स्टेबल सुरेश जाधव, शेखर भावेकर और सतीश सपकाले की टीम ने जाल बिछाकर आरोपी शहाजान दुलाल मुल्ला आयु 35 को हिरासत में लिया। क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि वह मूल रूप से ग्राम खडोलीया, कालिया उपजिल्हा, नराईल जिला, खुलना विभाग, बांग्लादेश का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के पास से 10 हजार रुपये मूल्य का सामान जप्त किया है। आरोपी के खिलाफ आगे की जांच जारी है, और पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि क्या इस मामले से कोई अन्य संदिग्ध व्यक्ति जुड़ा हुआ है। क्राइम ब्रांच की इस त्वरित कार्यवाही से शहर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने ऐसे मामलों में सख्ती बरतने के संकेत दिए हैं और आगे भी इस तरह की जांच जारी रहेगी।

29 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ चोर धराया

- **मिर्जापुर में शराब दुकान से चोरी का खुलासा, पिकअप और डीवीआर भी बरामद**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, पुलिस ने शराब की दुकान से चोरी हुई 29 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी में इस्तेमाल किया गया डीवीआर और पावर सप्लायर भी बरामद हुआ है। देवपुरा निवासी प्रदीप कुमार सिंह ने अपनी शराब की दुकान से विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब चोरी होने की शिकायत राजगढ़ थाने में दर्ज कराई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी आपरेशन के नेतृत्व में टीम गठित की गई। थानाध्यक्ष महेंद्र पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर हिनौता ब्लॉक तिराहे के पास से चील्ह थाना क्षेत्र के मवैया निवासी संजय पाल को गिरफ्तार किया। आरोपी पिकअप में शराब लादकर इसे अन्य जगहों पर बेचने की योजना बना रहा था।

अंबरनाथ में प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष आलम खान के सौजन्य से दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया

- **प्रहार जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विधायक बच्चू कडु उपस्थित रहे।**
- **अंबरनाथ की भोला मेगी इलेवन टीम ने जीता फाइनल मुकाबला।**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ में प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष आलम खान के प्रयासों से 8 और 9 फरवरी को दो दिवसीय क्रिक्रेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। यह क्रिकेट टूर्नामेंट शनिवार से प्रारंभ हुआ और फाइनल मैच रविवार की शाम को खेला गया। अंबरनाथ की भोला मेगी इलेवन टीम ने टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए उल्हासनगर की कीमिया इलेवन टीम को फाइनल मुकाबले में हराते हुए प्रहार चषक ट्रॉफी को जीत लिया। टूर्नामेंट के आयोजक आलम खान ने बताया कि शहर के पश्चिम परिसर स्थित नेताजी मार्केट ग्राउंड में शनिवार तथा रविवार को आयोजित प्रहार चषक 2025 की विजेता टीम को 55 हजार 555 तथा उपविजेता टीम को 33 हजार 333 रुपए नकद पुरस्कार राशि के रूप में प्रदान किए गए। प्रहार जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक बच्चू कडू, जिलाध्यक्ष अधिवक्ता स्वप्निल पाटिल आदि बतौर अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आलम खान के अनुसार टूर्नामेंट में कुल 18 टीमो ने भाग लिया। बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर, बेस्ट ऑल राउंडर को भी पुरस्कृत किया गया।

बिजली बिल बकायेदारों ने विद्युत कर्मियों पर किया हमला

कनेक्शन काटने गए कर्मचारी को सीढ़ी से धक्का दिया, मारपीट कर फोन से रिकार्डिंग डिलीट की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ एक बकायेदार ने अभद्रता की घटना को अंजाम दिया। सराय खां मोहल्ले में विद्युत विभाग की टीम बकाया बिल की वसूली के लिए पहुंची थी। जहां एक उपभोक्ता विवेक कुमार का 1.17 लाख रुपए का बिल बकाया था। उनके यहां बाइपास मीटर भी मिला।

जब विभाग के कर्मचारियों ने कनेक्शन काटने के लिए सीढ़ी लगाई, तो उपभोक्ता ने कर्मचारी को सीढ़ी से धक्का दे दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने कर्मचारी के साथ मारपीट की। उसका कॉलर पकड़ लिया। इस दौरान कर्मचारी जो वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहा था, आरोपी ने उसका मोबाइल छीन लिया और रिकॉर्डिंग को डिलीट कर दिया। उपभोक्ता ने कर्मचारियों को गोली मारने की धमकी भी दी। जिसके कारण टीम कनेक्शन नहीं काट सकी। रोजा उपखंड अधिकारी द्वितीय सीपी जायसवाल ने थाना आरसी मिशन में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत में सरकारी कार्य में बाधा डालने, सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विद्युत विभाग शाहजहांपुर में बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चला रहा है। बकाया वसूली के लिए विशेष अभियान चला रहा है। टीमें बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को जागरुक भी कर रही है।

अवैध तमंचे के साथ आरोपी गिरफ्तार

हत्या का प्रयास समेत 8 मुकदमे हैं दर्ज, बस्ती का रहने वाला है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुलिस ने एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरसी मिशन थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर टिक्कल स्थित पुलिया के पास से अंकित पांडेय नाम के अपराधी को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ पकड़ा है। जांच में सामने आया कि आरोपी अंकित पांडेय, जो आरसी मिशन थाना क्षेत्र की नई बस्ती का रहने वाला है। उसका आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कुल 8 मुकदमे दर्ज हैं। जिनमें एक हत्या का प्रयास का गंभीर मामला भी शामिल है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अंकित के खिलाफ पहले भी चार बार अवैध तमंचा रखने की एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। पुलिस ने आरोपी से विस्तृत पूछताछ की। उसके पास से अवैध हथियार और कारतूस को जब्त कर लिया गया है। कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

शराब ठेकेदारों ने एफडी दस्तावेजों में की धोखाधड़ी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

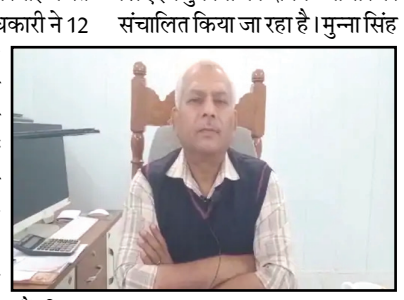

शाहजहांपुर, बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला आबकारी अधिकारी ने 12 शराब ठेकेदारों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। इन ठेकेदारों में कटरा से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना सिंह नवादा के परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। जिनमें ग्राम प्रधान और पंचायत सदस्य तक शामिल हैं। जिला आबकारी अधिकारी उदय प्रकाश के अनुसार, जब बैंक से एफडी का सत्यापन कराया गया तो पता चला कि ठेकेदारों ने प्रतिभूति के रूप में जमा की गई एफडी में छेड़छाड़ की है। वास्तविक राशि कम होने के बावजूद दस्तावेजों में अधिक राशि दर्शाई गई। हालांकि इससे राजस्व को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन शपथ पत्र में झूठी जानकारी देने के कारण सभी दुकानों को निलंबित कर दिया गया है। राजस्व की हानि से बचने के लिए इन दुकानों को दैनिक आधार पर संचालित किया जा रहा है। मुन्ना सिंह नवादा ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है। उनका आरोप है कि एक विधायक के इशारे पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे 40 अन्य लोग भी हैं। जिनकी सिक्योरिटी कम है, लेकिन विधायक के करीबी होने के कारण उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसपी सिटी संजय कुमार ने बताया कि इस मामले में पांच एफआईआर दर्ज की गई हैं।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

नॉर्थ कोरियाई तानाशाह किम की अमेरिका-जापान को चेतावनी

साउथ कोरिया से इनके सिक्योरिटी अलायंस को खतरा बताया

एजेंसी

प्योंगयांग, नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिका, साउथ कोरिया और जापान को एक बार फिर चेतावनी दी है। नॉर्थ कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के मुताबिक शनिवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए किम ने इन तीनों देशों के सिक्योरिटी अलायंस को खतरा बताया है। किम ने इस अलायंस की तुलना नाटो से की। किम ने चेतावनी देते हुए अपने परमाणु कार्यक्रमों को और मजबूत करने की बात कही है। शनिवार को कोरियन पीपुल्स आर्मी (केपीए) की 77वीं वर्षगांठ के मौके पर दिए भाषण में किम ने कहा कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया का सुरक्षा गठबंधन कोरिया प्रायद्वीप में सैन्य असंतुलन पैदा कर रहा है।

ये हमारे राज्य की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक बीते कुछ सालों में नॉर्थ कोरिया का महत्व तेजी से बढ़ा है।

नॉर्थ कोरिया न्यूक्लियर हथियार और हाइपरसोनिक मिसाइल जैसी टेक्निक पर तेजी से काम कर रहा है। ऐसे में भारत का प्योंगयोग में मौजूद रहना जरूरी है।

कोरिया एक पेनिनसुला है यानी 3 तरफ समुद्र से घिरा और एक तरफ मेनलैंड से जुड़ा टापू। यहां 1904 तक कोरियाई साम्राज्य का शासन था। इस पर कब्जे के लिए 1904-05 में जापान और चीन के बीच भीषण युद्ध हुआ। जापान ने जीत दर्ज की और कोरिया पर कब्जा जमा लिया। 1945 में सेकेंड वर्ल्ड वॉर में हार के बाद जापान को कोरिया छोड़ना पड़ा। जापान के हटते ही कोरिया को दो हिस्सों में बांट दिया गया।

38 पैरलल लाइन को बंटवारे की लकीर मान लिया गया। उत्तरी हिस्से में सोवियत सेना और दक्षिणी हिस्से में संयुक्त राष्ट्र की सेना लगाई गई। नॉर्थ कोरिया में कोरियाई कम्युनिस्टों के नेतृत्व में कोरियाई लोक जनवादी गणराज्य की सरकार बनी। साउथ में लोकतांत्रिक तरीके से नेता सिंगमन री के नेतृत्व में सरकार बनी। नॉर्थ का झुकाव कम्युनिस्ट विचारधारा की तरफ था, जबकि साउथ पूंजीवादी देशों की तरफ झुकाव वाला था। यहीं से विवाद शुरू हुआ।

नॉर्थ कोरिया ने 25 जून 1950 को 38 पैरलल लाइन पार कर साउथ कोरिया पर हमला कर दिया। 3 साल तक चली जंग के बाद नॉर्थ और साउथ कोरिया ने 1953 में युद्धविराम पर साइन किए। एक बार फिर से सीमा वही 38 पैरलल तय हुई जो जंग से पहले थी।

नॉर्थ-साउथ कोरिया की सीमा पर सबसे ज्यादा हथियारों की तैनाती

नॉर्थ और साउथ कोरिया के बीच डीएमजेड दुनिया की सबसे ज्यादा हथियारों की तैनाती वाली सीमा है। आंकड़ों के मुताबिक, सीमा के अंदर और आसपास 20 लाख माइन्स बिछाई गई हैं। इसके अलावा बॉर्डर के दोनों तरफ कंटीले तारों की बाड़, टैंकों का जाल और लड़ाकू सैनिक भी तैनात रहते हैं। कोरियाई जंग को खत्म करने के लिए हुए समझौते के तहत यह सीमा बनाई गई थी।

पूर्व पाक पीएम इमरान की आर्मी चीफ को चिट्ठी

राजनीतिक दखलअंदाजी की आलोचना की; कहा- संविधान के दायरे में लौटे सेना

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को आर्मी चीफ आसिफ मुनीर को एक खुली चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में इमरान ने सेना पर असंवैधानिक गतिविधियों और राजनीतिक दखलअंदाजी का आरोप लगाते हुए आलोचना की है। चिट्ठी को एक्स पर पोस्ट करते हुए इमरान ने आरोप लगाया कि उन्हें जेल में अमानवीय व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इमरान ने कहा कि उन्हें 20 दिनों तक फांसी वाली कोठरी में रखा गया था, जहां रोशनी भी नहीं आती है और न बिजली की सुविधा दी गई। पाकिस्तान की एक कोर्ट ने 16 जनवरी को को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के मामले में सजा सुनाई थी। डॉन की खबर के मुताबिक इमरान को 14 और बुशरा को 7 साल की सजा मिली। दोनों पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रूपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे थे। दोनों ने बुशरा बीबी के अल-कादिर ट्रस्ट के लिए पाकिस्तान सरकार की अरबों रुपए की जमीन सस्ते में बेच दिया था। इस मामले में इमरान को 9 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पूरे मुल्क में फौज के कई अहम ठिकानों पर हमले हुए थे। पाकिस्तान के नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) ने अल-कादिर ट्रस्ट केस में दिसंबर 2023 में इमरान खान (72), बुशरा बीबी (50), और अन्य 6 व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया था। हालांकि जब इमरान के खिलाफ ये केस दर्ज हुआ, उससे पहले से ही वे तोशाखाना केस में अडियाला जेल में बंद थे। इमरान अलग-अलग मामलों में 555 दिनों से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोशाखाना केस में दोषी करार दिया था। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के जमान पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बाद में उन्हें 2 और मामलों में दोषी करार दिया गया था। हालांकि इन सभी मामलों में इमरान को बरी किया जा चुका है। 13 जुलाई को फर्जी निकाह मामले में रिहाई के बाद उन्हें तोशाखाना केस-कक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी को अमेरिका से नहीं निकालेंगे ट्रम्प

बोले- उनकी पत्नी के साथ पहले से समस्याएं हैं; वीजा में जानकारी छुपाने का आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने, ब्रिटिश प्रिंस हैरी को अमेरिका से डिपोर्ट करने से इनकार कर दिया है। ट्रम्प ने बताया कि वो ऐसा कोई प्लान नहीं कर रहे हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि, दरअसल हैरी पर वीजा में ड्रग्स लेने की जानकारी छुपाने का आरोप लगा है। प्रिंस हैरी ने अपनी आत्मकथा स्पेयर में कोकीन, भांग और साइकेडेलिक ड्रग्स लेने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद हैरीटेज फाउंडेशन हैरी के वीजा एप्लिकेशन पर सवाल उठाए थे। फाउंडेशन का आरोप है कि हैरी ने वीजा एप्लिकेशन में नशे के इस्तेमाल की जानकारी छुपाई थी। ट्रम्प ने पांच महीने पहले बंद हो चुके हैरी के वीजा केस को खोलने के आदेश दिए हैं। प्रिंस हैरी शाही परिवार से विवाद के बाद आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन छोड़ चुके हैं। उनका नया पता अमेरिका का कैलिफोर्निया राज्य है। पिछले साल (2024) स्काई न्यूज ने टूरिज्म से जुड़ी चैरिटी ट्रैवलिस्ट के एक दस्तावेज के हवाले से इसकी जानकारी दी थी। इससे पहले तक हैरी हमेशा अपने प्राइमरी पते में ब्रिटेन लिखवाते थे। यह बदलाव 29 जून 2023 को किया गया। 29 जून 2023 को ही बकिंघम पैलेस ने इस बात की पुष्टि की थी कि हैरी और उनकी पत्नी मेगन अब ब्रिटेन का फ्रॉगमोर कॉटेज छोड़ चुके हैं। फ्रॉगमोर कॉटेज वही घर है, जिसे 2018 में उनकी शादी पर क्वीन एलिजाबेथ ने गिफ्ट किया था। दरअसल हैरी ने अपनी मेमोयर 'स्पेयर' में शाही परिवार को लेकर कई विवादित टिप्पणियां की थी। इसके बाद हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स के बीच विवाद हो गया था, जिसके बाद चार्ल्स ने हैरी से घर छोड़ने को कहा था। मार्च 2021 में प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने एक टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया। इस इंटरव्यू में मेगन ने शाही परिवार पर नस्लभेद के आरोप लगाए। उन्होंने कहा था कि शाही परिवार उनके बेटे आर्ची को प्रिंस नहीं बनाना चाहता था, क्योंकि उसके जन्म से पहले उन्हें डर था कि कहीं उसका रंग ब्लैक ना हो। इसके बाद शाही परिवार को एक स्टेटमेंट देना पड़ा था। स्टेटमेंट में कहा गया था कि शाही परिवार रंगभेद से जुड़े मुद्दे को गंभीरता से लेता है। मेगन ने इंटरव्यू में खुलासा किया था कि शाही परिवार से जुड़ने के बाद उनकी आजादी काफी कम हो गई थी। रॉयल परिवार में वो काफी अकेला महसूस करने लगी थी। उन्हें दोस्तों के साथ लंच पर जाने की भी इजाजत नहीं थी। मेगन ने कहा था कि एक वक्त ऐसा भी आया था जब मैं पूरी तरह से टूट गई थी। मैं जीना नहीं चाहती थीं और मुझे सुसाइड के ख्याल भी आते थे। मेगन ने आगे कहा था, ₹उनकी सबसे बड़ी गलती यही थी कि उन्होंने शाही परिवार पर विश्वास किया। शाही परिवार ने वादा किया था कि उन्हें हमेशा सुरक्षित रखा जाएगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ।₹ इंटरव्यू के दौरान प्रिंस हैरी ने भी कहा था कि उन्हें अपने आप और अपनी पत्नी पर गर्व है, क्योंकि प्रेग्नेंसी के वक्त वो काफी बुरे दौर से गुजरीं थीं। प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल के 2020 में राजशाही छोड़ते ही ब्रिटेन के राजपरिवार से रिश्ते खराब हो गए थे। इसके बाद पिछले साल नेटफ्लिक्स पर आई प्रिंस हैरी की डॉक्यूमेंटरी और उसके बाद उनकी किताब 'स्पेयर' ने दोनों पक्षों के बीच विवाद को और बढ़ा दिया। किताब और डॉक्यूमेंटरी में प्रिंस हैरी ने कई तरह से राज परिवार की आलोचना की है।

अमेरिका में रोज पकड़े जा रहे 1200 अवैध अप्रवासी

डिटेंशन सेंटर फुल, अब जेलों में रखा जा रहा;10 लाख अवैध अप्रवासियों को पकड़ने का प्लान

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर अवैध प्रवासियों के खिलाफ धरपकड़ और तेज हो गई है। डिटेंशन सेंटर फुल हो गए हैं। हालत ये है कि अवैध प्रवासियों को अब जेलों में ठूंसा जा रहा है। लॉस एंजिलिस, मियामी, अटलांटा और कैंसस सहित 9 फेडरल जेलों में अन्य खूंखार अपराधियों के साथ अवैध प्रवासियों को रखा जा रहा है। इमिग्रेशन एंड कस्टम इंफोर्समेंट के डिटेंशन सेंटर में 41 हजार को ही

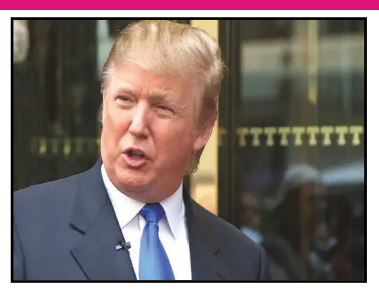

रखने की क्षमता है। इन सेंटरों में लगभग 2 हजार भारतीय हैं। ट्रम्प के बॉर्डर जार हॉम होमेन ने पुलिस कमिश्नरों को अवैध प्रवासियों की पहचान कर धरपकड़ के आदेश दिए हैं। इसके लिए पुलिस टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। ये सड़कों से भी अरेस्ट कर सकेगी। अमेरिका में अवैध प्रवासियों की धरपकड़ आईसीई ही करती है। ऐसा 25 साल बाद होगा जब लोकल पुलिस को भी जिम्मा सौंपा गया है। ट्रम्प प्रशासन की ओर से राज्यों की पुलिस को ट्रेनिंग भी दी जा रही है। ट्रम्प समर्थित रिपब्लिकन राज्यों में सबसे पहले ये ट्रेनिंग शुरू की गई है। ट्रम्प ने फेडरल आदेश दिए हैं, ऐसे में डेमोक्रेटिक राज्यों में भी ट्रेनिंग अनिवार्य होगी। अमेरिकी सिविल लिबर्टी यूनियन के मुताबिक जेलों में भयावह हालात हैं। अवैध प्रवासियों को वक्त पर खाना नहीं दिया जा रहा है। उनको बांटा जाने वाले खाना बासी और बदबूदार होता है। कड़ाके की ठंड में अवैध प्रवासियों को ठंडे फर्श पर सोना पड़ रहा है। जेल की सबसे बदहाल सेल में इन्हें ठूंसा जा रहा है। दिन भर में सिर्फ आधे घंटे के लिए अवैध प्रवासियों को सेल से बाहर निकाला जाता है। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2019 में भी अवैध प्रवासियों को जेलों में रखने का आदेश दिया था, लेकिन ये लागू नहीं हो पाया था।

जम्मू-कश्मीर में नए भवन निर्माण कानून का विरोध, जीसीसी ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के साथ की बैठक

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर सरकार ने 2021 में एकीकृत भवन कानूनों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था, जिसमें इमारतों के ऊंचाई सीमा पर प्रतिबंध हटा दिए गए थे.

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर में भवन निर्माण कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों का कड़ा विरोध हो रहा है. विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों ने व्यापक बदलावों के खिलाफ केंद्र शासित प्रदेश सरकार को ज्ञापन सौंपने की मांग की है. जम्मू-कश्मीर और बाहरी राज्यों के योजनाकारों, विशेषज्ञों, पूर्व अधिकारियों और नागरिक समाज के सदस्यों के एक पैनल ने संशोधनों और जम्मू और श्रीनगर जैसे ऐतिहासिक शहरों पर उनके संभावित प्रभाव पर चिंता व्यक्त की.शनिवार को श्रीनगर में ग्रुप ऑफ कंसर्न्ड सिटिजन्स (जीसीसी) के साथ इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित चर्चा- 'जम्मू-कश्मीर में शहरी भविष्यः विनियमन और स्थिरता को संतुलित करना'- में चेतावनी दी गई कि इन बदलावों से शहरी अराजकता पैदा हो सकती है और क्षेत्र के मौजूदा परिदृश्य को नुकसान पहुंच सकता है.पिछले महीने, जम्मू-कश्मीर सरकार ने 2021 के जम्मू-कश्मीर एकीकृत भवन कानूनों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था, जिसमें इमारतों के लिए ग्राउंड कवरेज और ऊंचाई सीमा पर प्रतिबंध हटा दिए गए थे. रिपोर्ट के अनुसार, संशोधन आवासीय और वाणिज्यिक दोनों संरचनाओं पर लागू होते हैं. मौजूदा कानून के तहत, केवल तीन मंजिला इमारतों की अनुमति है. हालांकि, प्रस्तावित बदलावों से संपत्ति मालिकों को अपनी इच्छानुसार जितनी मंजिलें बनाने की अनुमति मिल जाएगी, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि जम्मू-कश्मीर उच्च जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र कश और श में आता है. पूर्व अधिकारी खुर्शीद गनई, जो जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल के सलाहकार रह चुके हैं, ने कहा कि व्यापक संशोधनों से उत्पन्न जोखिमों को रेखांकित करने वाला एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को सौंपा जाएगा.उन्होंने कहा, भले ही वे इन बदलावों के साथ आगे बढ़ें, लेकिन इसे विधानसभा में पारित किया जाना चाहिए.₹ ₹हमारे प्रतिनिधियों को इसके निहितार्थों के बारे में पूरी तरह से अवगत होना चाहिए. गनई ने स्पष्ट किया कि हालांकि आवश्यक सुधारों का विरोध नहीं किया जा रहा है

महाकुंभ में बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़ तो डीआईजी ने संभाला मोर्चा

महाकुंभ मेला क्षेत्र डीआईजी वैभव कृष्ण के मुताबिक वीआईपी मूवमेंट की वजह से किसी श्रद्धालु को कोई दिक्कत नहीं हो रही है. स्नान पर्वों पर वीआईपी को कोई प्रोटोकॉल नहीं दिया जा रहा है.

एजेंसी

प्रयागराज महाकुंभ में आज रविवार (9 फरवरी) को भी सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया है. पिछले कई दिनों से रोजाना एक करोड़ से ज्यादा की भीड़ आने की वजह से मेला क्षेत्र से लेकर शहर तक व्यवस्थाएं प्रभावित हुई थी. हालांकि पुलिस और प्रशासन के बड़े अधिकारी अब खुद ग्राउंड जीरो पर उतरकर व्यवस्था को संभालने में लगे हैं. महाकुंभ के डीआईजी पुलिस वैभव कृष्ण खुद संगम से लेकर एंट्री पॉइंट तक पैदल ही भ्रमण कर व्यवस्थाओं को बनाने में लगे हुए हैं. उनका कहना है की भीड़ अप्रत्याशित तरीके से ज्यादा आ रही है. इसकी वजह से लोगों को

ग्राउंड जीरो पर उतरे वैभव कृष्ण

कुछ दिक्कतों का सामना भी कभी-कभी करना पड़ता है, लेकिन श्रद्धालु सुगमता से स्नान व पूजा अर्चना कर सकें, इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है. श्रद्धालुओं की सेवा के लिए ही पुलिसकर्मी आमतौर पर 16 से 18 घंटे और कई बार तो लगातार 50 घंटे तक बिना रुके हुए ड्यूटी कर रहे हैं. उनका कहना है कि वह खुद ग्राउंड जीरो पर उतरकर फील्ड में काम करने वाले पुलिसकर्मियों को निर्देशित कर रहे हैं और व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग कर रहे हैं.

स्नान पर्वों पर वीआईपी को कोई प्रोटोकॉल नहीं- डीआईजीवैभव कृष्ण

उनके मुताबिक वीआईपी मूवमेंट की वजह से किसी श्रद्धालु को कोई दिक्कत नहीं हो रही है. स्नान पर्वों पर वीआईपी को कोई प्रोटोकॉल नहीं दिया जा रहा है. आम दिनों में भी जो श्कढ आ रहे हैं उनके लिए विशेष मार्ग निर्धारित किया गया है और साथ ही वाहनों की संख्या एकदम सीमित कर दी गई है.

कल्पवासियों के वाहन का आने-जाने का समय निर्धारित- डीआईजी वैभव कृष्ण

डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया है कि मेला पुलिस ने 12 फरवरी को पड़ने वाले माघी पूर्णिमा के स्नान पर्व को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं. कल्पवासियों के वाहन मेला क्षेत्र में आने और वापस जाने का समय और मार्ग निर्धारित कर दिया गया है. उन्होंने मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से नियमों का पालन करने की अपील की है. उन्होंने कहा है कि सारे लोग अपने वाहनों को अगर पार्किंग में खड़ा कर नजदीक के घाटों पर गंगा स्थान करेंगे तो व्यवस्थाएं कतई नहीं बिगड़ेगी और श्रद्धालुओं को भी सहूलियत होगी.

महबूबा मुफ्ती के काफिले में शामिल गाड़ी खाई में गिरी, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस हादसे में तीन पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आई हैं, जिनका नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है.

एजेंसी

श्रीनगरः बारामूला जिले में रविवार को एक दुखद घटना घटी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के काफिले में शामिल एस्कॉर्ट गाड़ी सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी. इस दुर्घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं. पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह दुर्घटना सोपोर कस्बे के वाटरगाम गांव में हुई. बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के काफिले में शामिल एस्कॉर्ट गाड़ी चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद गाड़ी सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई.

सभी घायल पुलिसकर्मियों की हालत स्थिरइस हादसे में तीन पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें तत्काल प्रभाव से नजदीकी स्वास्थ्य सुविधा में इलाज के लिए भेजा गया है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल पुलिसकर्मियों की हालत स्थिर है और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है.

महबूबा मुफ्ती सुरक्षित

दुर्घटना की खबर फैलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में पुलिस की मदद की. हालांकि, इस दुर्घटना में महबूबा मुफ्ती को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है और वह सुरक्षित हैं.

आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की पीड़िता की याद में अभया स्वास्थ्य शिविर आयोजित

एक कनिष्ठ चिकित्सक ने बताया, अब तक 110 से अधिक मरीजों ने अभया क्लिनिक में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त की हैं और प्रत्येक मरीज को एक पौधा दिया गया है। हमारी बहन को पौधों से बहुत लगाव था और उसने अपना जीवन लोगों की सेवा के लिए समर्पित किया था।

पिछले साल नौ अगस्त को आर जी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने रविवार को आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की पीड़िता के जन्मदिन पर उसकी याद में उत्तर 24 परगना जिले के सोडपुर में अभया क्लिनिक नाम से एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। पिछले साल नौ अगस्त को आर जी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। इस जघन्य घटना के बाद चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए थे।एक कनिष्ठ चिकित्सक ने बताया, अब तक 110 से अधिक मरीजों ने अभया क्लिनिक में

स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त की हैं और प्रत्येक मरीज को एक पौधा दिया गया है। हमारी बहन को पौधों से बहुत लगाव था और उसने अपना जीवन लोगों की सेवा के लिए समर्पित किया था।इस दौरान पीड़िता के माता-पिता ने गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, अपराधियों ने हमारी खुशियां छीन लीं। पहले हम हर साल रात में उसकी ड्यूटी खत्म होने के बाद जन्मदिन मनाते थे। अब हमारे जीवन का एकमात्र लक्ष्य न्याय प्राप्त करना है। काश! हमने उन्हें आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में भर्ती न कराया होता, तो वह आज हमारे साथ होतीं। इस संगठन ने कहा कि न्याय की मांग करने वालों को पुलिस परेशान कर रही है ताकि उनके मनोबल को तोड़ा जा सके और विरोध को दबाया जा सके। प्रधान ने कहा, हम चाहते हैं कि पीड़िता के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। उनकी बेटी देश की हर एक महिला का प्रतिनिधित्व करती है। हमें सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) पर भरोसा है और धैर्य रखना होगा। आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की पीड़िता के रविवार को जन्मदिन के अवसर पर उनके माता-पिता और प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों ने न्याय की मांग को लेकर एक रैली निकालने की घोषणा की।

विभिन्न पर्व

पौष पूर्णिमा	मकर संक्रांत	मौनी आमावश्या	बसंत पंचमी	माघी पूर्णिमा	महा शिवरात्री
13/01/2025	14/01/2025	29/01/2025	03/02/2025	12/02/2025	26/02/2025

संक्षेप

खाद की कालाबाजारी का खेल

सरकारी रेट 266 रुपए, दुकानदार वसूल रहे 320 रुपए; किसानों ने सीएम को किया ट्वीट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में किसानों के साथ बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। लंभुआ ब्लॉक में यूरिया खाद की कालाबाजारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया है। बागबान बीज भंडार पर सरकारी दर 266.50 रुपए की जगह 320 रुपए प्रति बोरी यूरिया बेचा जा रहा है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि लंभुआ तहसील बेदूपारा समेत पूरे जनपद में दुकानदार प्रति बोरी 40 से 100 रुपए तक अधिक वसूल रहे हैं। किसानों ने इस संबंध में 10 दिन पहले वीडियो और पेमेंट रिकॉर्ड के साथ शिकायत दर्ज कराई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए किसानों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कृषि मंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिलाधिकारी और मुख्य सचिव को ट्वीट कर मामले की जानकारी दी है। किसानों का कहना है कि सरकारी दर से अधिक कीमत वसूलने से उनकी खेती की लागत बढ़ रही है। वे अधिकारियों से इस कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बिजली चोरी में 9 लोगों पर मुकदमा

बकाया न चुकाने पर कनेक्शन काटा, अवैध रूप से चला रहे थे मीटर

सुलतानपुर, दोस्तपुर क्षेत्र में बिजली चोरी का एक मामला सामने आया है। विद्युत विभाग ने बकाया बिल न चुकाने वाले 9 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इन लोगों ने विभाग द्वारा कनेक्शन काटे जाने के बाद भी अवैध रूप से बिजली का उपयोग जारी रखा। दोस्तपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर खुर्द भीलमपुर में विभाग द्वारा चलाए गए चेकिंग अभियान में यह मामला प्रकाश में आया। निनकहा, आशाराम, मनदाता, कंचन, राम आशीष, किस्मती, गुलाबा देवी, शिव पूजन और राम करन नामक व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई। इनमें से अधिकांश पर भारी मात्रा में बकाया था, जैसे निनकहा पर 23,520, आशाराम पर 27,441, मनदाता पर 20,348, कंचन पर 25,061, राम आशीष पर 2,05,859 और किस्मती पर 25,607 का बकाया था। अवर अभियंता प्रवीण कुमार सिंह ने एंटी पॉवर थेप्ट थाने में मामला दर्ज कराया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग बकायेदारों को किश्तों में भुगतान की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि कनेक्शन काटने के बाद अवैध कनेक्शन पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गुलाबा देवी, शिव पूजन और राम करन के विरुद्ध पहले से ही बिजली चोरी के मामले दर्ज हैं।

महाकुम्भ: भ्रामक पोस्ट फैलाने वाले 14 एक्स अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर : प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ 2025 से संबंधित भ्रामक पोस्ट और अफवाहें फैलाने वालों पर प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के निदेर्शानुसार सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं की मॉनिटरिंग की जा रही है, और दोषियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

मॉनिटरिंग के दौरान यह पाया गया कि कुछ एक्स अकाउंट्स ने झारखंड के धनबाद में हुई एक पुरानी घटना के वीडियो को भ्रामक रूप से प्रयागराज महाकुंभ से जोड़कर प्रसारित किया। इन पोस्ट में यह झूठा दावा किया गया कि महाकुम्भ में अपने गुमशुदा परिजनों की तलाश कर रहे श्रद्धालुओं को योगी

सरकार की पुलिस बेरहमी से पीट रही है।जब इस वीडियो की फैक्ट चेकिंग की गई, तो यह धनबाद, झारखंड का निकला, जहां 01 जनवरी 2025 को स्थानीय पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया था। कुम्भ मेला पुलिस ने अपने आधिकारिक अकाउंट से इस वीडियो का खंडन भी किया। प्रशासन ने इसे राज्य सरकार और पुलिस की छवि खराब करने तथा जनता में विद्वेष फैलाने का षड्यंत्र माना।इस मामले में 14 एक्स अकाउंट को चिन्हित कर कोतवाली कुम्भ मेला में अभियोग पंजीकृत किया गया और विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि महाकुम्भ से जुड़ी भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही जारी रहेगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस महाकुम्भ 2025 को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और आम जनता से अपील करती है कि किसी भी भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें और आधिकारिक स्त्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें।

महाकुंभ में महाजाम, लाखों लोग 10-12 घंटे से फंसे

प्रयागराज पहुंचने वाले रास्तों पर 25 किमी तक गाड़ियां, संगम स्टेशन बंद करना पड़ा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, छुट्टी के चलते श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ है। संगम पहुंचने के सभी रास्तों में 10 से 15 किमी लंबा जाम लगा है। वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और रीवा से प्रयागराज आने-जाने वाले रास्तों पर 25 किमी तक गाड़ियां रेंग रही हैं। संगम में डुबकी लगाने जाने वालों और वहां से लौटने वाले श्रद्धालु भूखे-प्यासे जाम खुलने का इंतजार कर रहे हैं। प्रयागराज जंक्शन पर भीड़ को मैनेज करने के लिए इमरजेंसी क्राउड मैनेजमेंट प्लान लागू किया गया। भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम स्टेशन को बंद करना पड़ा। लखनऊ लौट रहे एक श्रद्धालु आकाश द्विवेदी ने बताया- उनकी गाड़ी 3 घंटे से मलाका गांव के जाम में फंसी है। वहीं, महाकुंभ

से मध्यप्रदेश जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस सड़क किनारे पलट गई है। हादसे में 12 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए। आज सुबह मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में आग लग गई। इसमें एक कल्पवासी टेंट जल गया। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग बुझाई। इधर, अखिलेश यादव ने भी कन्नौज के पास लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं से मुलाकात की। वह शनिवार रात सैफई जा रहे थे। श्रद्धालुओं से उन्होंने हालचाल पूछे। अखिलेश ने महाकुंभ पर यूपी में वाहनों को टोल मुक्त किए जाने की मांग की। कहा- इससे यात्रा की बाधा भी कम होगी और जाम का संकट भी। वहीं, महाकुंभ जा रही ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ है। वाराणसी में जगह न मिलने पर महिलाएं ट्रेन इंजन में घुस गईं और गेट बंद कर लिया। किसी तरह पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को बाहर निकाला।

जहरीले पशु आहार से मवेशियों की मौत

5 पशुओं की मौत, कंपनी ने पहले ही जारी किया था अलर्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिले में जहरीले पशु आहार से मवेशियों की मौत का मामला सामने आया है। भाले सुल्तान थाना क्षेत्र के माहेमऊ गांव में एक ही किसान के चार मवेशियों की मौत हो गई, जबकि परवेजपुर गांव में भी एक पशु की मृत्यु की सूचना है। पीड़ित किसान रामजी यादव ने बताया कि वह 24 जनवरी को प्रेमगढ़ रानीगंज स्थित ज्ञानधारा डेयरी से 5 बोरी पशु आहार खरीद कर लाए थे। इस आहार को खाने के बाद उनके पशु बीमार पड़ने लगे और तक चार पशुओं की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि पैक की गई ज्ञानधारा कंपनी की सभी बोरियां जहरीली थीं। कंपनी ने

स्थानीय दुकानदारों को इन बोरियों को वापस लेने का निर्देश भी दिया था, लेकिन दुकानदारों ने न तो बोरियां वापस लीं और न ही किसानों को इसकी जानकारी दी। इस लापरवाही के कारण पशुओं की जान गई। यह समस्या केवल अमेठी तक ही सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के कई अन्य जिलों से भी ज्ञानधारा पशु आहार खाने से पशुओं की मौत की खबरें आ रही हैं। स्थानीय किसानों ने पीड़ित किसानों को मुआवजा दिलाने और दोषी कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित किसानों ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है

गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने की मांग

सीताकुंड घाट पर संस्था ने लिया संकल्प, कहा- कड़े कानून की जरूरत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, सीताकुंड घाट पर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। आदि मां गोमती के तट पर कटका क्लब सामाजिक संस्था के सदस्यों ने गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने के लिए जल लेकर शपथ ली। संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने चिंता व्यक्त की कि विश्व में गाय को माता का दर्जा दिए जाने के बावजूद गौ तस्करी और गौ हत्या की घटनाएं जारी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग की। कार्यक्रम में बृजेन्द्र मिश्र और वीर विक्रम सिंह ने गाय को भारतीय संस्कृति का प्रतीक बताते हुए गौ संरक्षण के लिए कठोर कानून की मांग की। कथावाचक सनी मिश्रा के मंत्रोच्चार के साथ उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया। कार्यक्रम में विहिप

बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख यशदीप ठठेर सहित मोनू यादव, हर्षित वर्मा, अर्पित राय, वैभव पाण्डेय, अनमोल अग्रहरि, बृजेश जयसवाल और राघवेंद्र मिश्रा समेत कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

सभी ने एकजुट होकर घोषणा की कि जब तक गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

बीच चौराहे 9वीं के छात्र को बेल्ट से पीटा

स्कूल में हुई थी कहासुनी, कोचिंग जाते समय मारपीट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, एक दबंग छात्र और उसके साथियों ने कक्षा 9 के एक छात्र की बीच सड़क पर जमकर पिटाई कर दी। यह घटना बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के जैनबगंज कस्बे में हुई, जहां स्कूल में हुई मामूली कहासुनी के बाद आरोपी छात्र ने अपने गांव के साथियों के साथ मिलकर पीड़ित की पिटाई की। पीड़ित

छात्र स्कूल से कोचिंग जाने के लिए साइकिल से निकला था। करीब ढाई बजे बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने आरोपी छात्र और उसके साथियों ने पीड़ित को घेर लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी। पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इससे पहले स्कूल में दोनों छात्रों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसकी शिकायत पीड़ित ने क्लास टीचर से भी की थी। पिटाई के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित छात्र ने पूरे मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई है। बाजार शुकुल थाने के एसओ दयाशंकर मिश्रा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि जैसे ही तहरीर मिलेगी, मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

31 लाख की स्मैक के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार

पकड़ा गया 26 मुकदमों का आरोपी, चोरी की बाइक भी बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के रेलवे तिराहे पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक शातिर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 31 लाख रुपये कीमत की 310 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जमुवारी गांव निवासी संजय सिंह के रूप में हुई है, जो जयनारायण सिंह का पुत्र है। पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपी के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न जिलों में 26 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें

अमेठी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, गोरखपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोंडा और वाराणसी शामिल हैं। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि सुबह के समय रूटीन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में स्मैक बरामद हुई। आरोपी के कब्जे से एक पैशन मोटरसाइकिल भी बरामद की गई, जो जांच में चोरी की निकली। वाहन के कागजात न होने के कारण पुलिस ने इसे सीज कर दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला हेल्थ ऑफिसर गिरफ्तार

अमरोहा में लंगड़ाते हुए थाने से निकला, रोज-डे पर छात्रा को किया था प्रपोज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमरोहा,छात्रा से छेड़खानी करने वाले हेल्थ ऑफिसर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को उसका एक वीडियो सामने आया। जिसमें वह थाने से लंगड़ाता हुआ निकला। वह चल नहीं पा रहा था। दो पुलिसवाले उसे कंधा दे रहे थे। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) ने शुक्रवार को रोज-डे पर 11वीं की छात्रा को प्रपोज किया था।

लड़की ने मना कर दिया तो उसने लड़की के साथ बदतमीजी की। उसे धक्का दिया, मारपीट की। इसके बाद लड़की को छोड़कर कार में बैठकर चला गया। घटना का वीडियो शनिवार को सामने आया। वीडियो और पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के

खिलाफ केस दर्ज किया। वेलनेस सेंटर में तैनात है आरोपी मामला गजरौला क्षेत्र का है। थाना हसनपुर के गांव अल्लीपुर खादर का बलविंदर उर्फ मोंटी नौनेर गांव के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) पद पर तैनात है। उसके पिता का नाम कृपाल सिंह है। वहीं, लड़की कक्षा- 11 की छात्रा है। लड़की, आरोपी के सेंटर क्षेत्र के ही एक गांव में रहती है। वह वेलनेस सेंटर पर आती-जाती थी। इस कारण दोनों में जान-पहचान हो गई। रोज-डे पर बलविंदर ने छात्रा को मिलने के लिए बुलाया। उसे प्रपोज किया। लेकिन, लड़की ने मना कर दिया। इसके बाद उसने जबरन लड़की को मिठाई खिलाने की कोशिश की। इस दौरान छात्रा मिठाई खाने से बचती रही। इस पर आरोपी ने उस पर मिठाई फेंक दी। छात्रा उससे बचकर भागी तो उसने मिठाई का डिब्बा फेंककर मारा। वहां मौजूद एक शख्स ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया। जिसमें आरोपी सीएचओ, छात्रा से मारपीट अभद्रता करते दिखाई दे रहा है। वीडियो में एक कार खड़ी दिखाई दे रही है। आरोपी सीएचओ, पीड़िता और एक अन्य लड़का दिख रहा है। आरोपी ने पहले उस युवक को मिठाई खिलाई, फिर लड़की को खिलाने गया। घटना के बाद पीड़िता गजरौला थाने पहुंची। आरोपी बलविंदर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

नशे में धुत युवक ने रेलवे ट्रैक पर दौड़ाई कार

अमरोहा में 50 मीटर तक पटरियों पर दौड़ती रही कार, मालगाड़ी 35 मिनट रोकी गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमरोहा, गजरौला में अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब एक युवक ने नशे की हालत में सीधे रेलवे ट्रैक पर कार चलानी शुरू कर दी। करीब 50 मीटर तक रेलवे ट्रैक पर कार दौड़ती रही। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। स्टेशन मास्टर ने फौरन सतर्कता दिखाते हुए पीछे आ रहे मालगाड़ी को रोक दिया। हादसा करीब 3 बजे रात का बताया जा रहा है। जब मुरादाबाद की ओर से आ रही एक कार अचानक रेलवे ट्रैक पर दौड़ने लगी। जिसके बाद गेटमैन ने तत्काल कंट्रोल रूम को सूचित कर दिल्ली से आ रही मालगाड़ी को तुरंत रोक दिया। इस घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। दरअसल, गजरौला स्टेशन अधीक्षक केएल कश्यप के अनुसार, रात करीब तीन बजे मुरादाबाद की तरफ से आई एक कार का चालक, जो संभवतः नशे की हालत में था।

सैनिक स्कूल में सांस्कृतिक प्रतिभाओं का प्रदर्शन

सांसद किशोरीलाल को गार्ड ऑफ ऑनर, छात्रों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, रामगंज कौहार स्थित सैनिक स्कूल में छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए इंटर हाउस कल्चरल कॉम्पिटिशन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अमेठी के सांसद किशोरीलाल शर्मा ने शिरकत की। विद्यालय की प्रिंसिपल लेफ्टिनेंट कर्नल गीता महादिक ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

एक हफ्ते में 74 पशु बरामद

क्रूरता से भरे वाहनों में ले जा रहे थे तस्कर, पशु तस्कर गिरोह के 7 सदस्य गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, जिले में पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह में कुल 74 मवेशियों को बरामद किया है। यह कार्रवाई जिले के विभिन्न इलाकों में की गई, जहां तस्कर पशुओं को क्रूरतापूर्वक वाहनों में भरकर ले जा रहे थे। कालिंजर थाना क्षेत्र के बसराही तिराहे पर 7 तारीख को पुलिस ने गश्त के दौरान तीन वाहनों को पकड़ा। एक ट्रक, एक पिकअप और एक डीसीएम में क्रूरतापूर्वक लदे 8 भैंसे और 51 पड़वा बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि इन पशुओं को जिगना से फतेहपुर ले जाया जा रहा था। इस मामले में 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में अतर्रा के गांधी चौक के पास पुलिस क्षेत्राधिकारी ने एक और कार्रवाई करते हुए एक लोडर को पकड़ा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई,400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।